हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 306 : जौनपुर, सोमवार 07 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

## अयोध्या के दर्शन नगर सहित देश के 508 स्टेशनों का होगा पुनर्विकास, पीएम मोदी ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया। इसमें अयोध्या का दर्शन नगर रेलवे स्टेशन भी शामिल है। रेलवे प्रशासन द्वारा दर्शन नगर में आयोजित समारोह में सांसद लल्लू सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र समेत भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व आम लोग शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि भगवान श्रीराम की संस्कृति की पताका पूरे विश्व में लहराए यह मोदी जी की कामना है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, आने वाले दिनों में यहां प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु आएंगे।इन सभी को रेल, सड़क और हवाई यातायात उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। दर्शन नगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य इसी क्रम में शामिल है। समारोह में लोगों ने प्रधानमंत्री के भाषण को भी सुना। वहीं, सुल्तानपुर में जिलाधिकारी जसजीत कौर, एसपी सोमेन वर्मा, शहर विधायक विनोद सिंह, लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा, जयसिंहपुर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, कादीपुर विधायक राजेश गौतम, पालिकाध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल समेत तमाम भाजपा नेता मौजूद रहे। अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। स्कूली बच्चों ने भी कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मेधावी बच्चों को अतिथियों की ओर से पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही पीएम मोदी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुल्तानपुर में आयोजित कार्यक्रम से जुड़े। वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए शामिल हुए पीएम मोदी ने रिमोट दबाकर शुभारंभ किया। पीएम मोदी के रिमोट की बटन दबाते ही तालियां गूंजने लगीं। वीडियो कांफ्रेंसिंग में देश के प्रमुख स्टेशनों पर किए गए विकास व अमृत भारत स्टेशन योजना से संबंधित कई चलचित्र भी दिखाए गए। इसके साथ ही लोगों ने पीएम का संबोधन भी सुना। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अमृत रेलवे स्टेशन के शिलान्यास कार्यक्रम का उद्घाटन रिमोट के जरिए किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत रेलवे स्टेशन के शिलान्यास कार्यक्रम में देशभर के 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला रखी। इस दौरान रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव, भाजपा के कई वरिष्ठ और दिग्गज नेता भी मौजूद थे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन, स्वीडन, यूके जैसे देशों में जितना रेल नेटवर्क है भारत ने अकेले 9 साल में रेल ट्रैक बनाए गए है। भारत का लक्ष्य है कि रेलवे और सुलभ और सुखद बनाई जाए। यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म पर बैठने के लिए अच्छे वेटिंग रूमों का निर्माण हो रहा है। हजारों स्टेशनों पर मुफ्त इंटरनेट भी उपलब्ध होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष हर अच्छे काम का विरोध करता है। विपक्ष ने संसद भवन की नई इमारत का विरोध किया। शहीदों के लिए वॉर मेमोरियल का निर्माण नहीं करवाया।

## नूंह में बढ़ाई गई इंटरनेट सेवा पर लगी रोक

नई दिल्ली (एजेन्सी)। हरियाणा के नूंह में बीते सोमवार यानी 31 जुलाई को हुई हिंसक झड़प को लेकर मोबाइल इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध 8 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, हरियाणा के नूंह जिले में वॉयस कॉल को छोड़कर मोबाइल नेटवर्क पर प्रदान की जाने वाली मोबाइल इंटरनेट सेवाओं, बल्क ैडै और सभी डोंगल सेवाओं आदि का निलंबन 8 अगस्त 2023 तक बढ़ा दिया गया है। पानीपत के सेक्टर 25 –29 में बाइक सवार कुछ शरारती तत्वों ने माहौल बिगड़ने का प्रयास किया। बाइकों पर आए करीब 20–25 युवकों ने मुस्लिम समुदाय के लोगों की दुकानों पर तोड़फोड़ की और वाहनों को क्षति पहुंचाई। इसके बाद वे फरार हो गए। इन लोगों ने चेहरा ढ़क रखा था और कुछ लोगों ने केसरिया पटके भी डाल रखे थे। चार सदस्यीय CPI प्रतिनिधिमंडल, जो आज हरियाणा के गुरुग्राम और नूंह में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहा था, उन्हें नूंह जिले के पास प्रभावित गांवों में प्रवेश करने से पहले पुलिस ने रोक दिया।

## यूपी के 55 स्टेशनों का होगा कायाकल्प, सीएम योगी ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के शुभारंभ से वर्चुअली जुड़े। नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास व आधुनिकीकरण की आधारशिला रखी है। इसमें उत्तर प्रदेश के 55 रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प होना है। मुख्यमंत्री ने बाद में ट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा श्अमृत भारत स्टेशन योजनाश के अंतर्गत आज 4,355 करोड़ रुपये की लागत से श्नए भारतश के श्नए उत्तर प्रदेशश के 55 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास व आधुनिकीकरण की आधारशिला रखी गई है। इस कल्याणकारी योजना के द्वारा इन रेलवे स्टेशनों को अत्याधुनिक उत्कृष्ट यात्री सुविधाओं और विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचे से लैस करने के साथ ही उन्हें स्थानीय कला–संस्कृति के अनुरूप सुसज्जित व 'सिटी सेंटर' के रूप में भी विकसित किया जाएगा। रेलवे स्टेशनों के श्कायाकल्पश को सुनिश्चित करती इस लोक–कल्याणकारी योजना के लिए सभी प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमृत भारत स्टेशन योजना के शुभारंभ पर वर्चुअल मौजूदगी दर्ज करवाई। उन्होंने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। इसमें उत्तर प्रदेश के 55 रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प होना है। मुख्यमंत्री ने बाद में ट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया।

## चंद्रयान 3 भारत की अंतरिक्ष यात्रा में लिखता नया अध्याय

**भारत का महत्वाकांक्षी मून मिशन चंद्रयान-3 लगातार सफलता की सीढ़ियों को पार करते हुए अपने मिशन की ओर आगे बढ़ रहा है**

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत का महत्वाकांक्षी मून मिशन चंद्रयान–3 लगातार सफलता की सीढ़ियों को पार करते हुए अपने मिशन की ओर आगे बढ़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के मुताबिक पांच अगस्त को चंद्रयान–3 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में स्थापित हो गया है। ये भारत का तीसरा चंद्रयान मिशन है जिसे चंद्रमा पर भेजा गया है। चंद्रमा के रहस्यों को जानने की दिशा में भारत लगातार कोशिशें कर रहा है। इस सतह का बार बार अवलोकन करने वाले दो रोबोटिक अंतरिक्षयान भेजकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। भारत वर्ष 2008 में चंद्रमा की सतह पर पहुंचने वाला चौथा देश बना है। इसके बाद 2009 में चंद्रयान 1 ने चंद्रमा पर पानी की खोज की है। चंद्रयान 2 मिशन का मिशन का ऑर्बिटर पिछले चार वर्षों से लगातार काम कर रहा है। वहीं अब 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा से चंद्रयान 3 की सफलतम उड़ान से पूरा भारत गौरवान्वित है। अंतरिक्ष की फील्ड में अब चंद्रयान 3 ने नई गाथा लिखी है। इसी के साथ भारत का चंद्रयान 3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग कर दुनिया के पहले मिशन के तौर पर इतिहास रचने को भी तैयार है। बता दें कि 14 जुलाई को दोपहर 2रू35 मिनट पर एलएमवी 3 एम 4 रॉकेट ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी थी, जिसके बाद चंद्रयान 3 को सफलता के साथ प्रक्षेपित किया गया था। इस उड़ान के साथ ही चंद्रयान 3 अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर भी निकल चुका था जहां उसे इतिहास रचना है। इस लॉन्च के बाद इसरो ने कहा कि अंतरिक्ष यान की स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। वहीं चंद्रयान 3 की सफलतम लॉन्च के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों के अथक समर्पण की सराहना की और कहा कि चंद्रयान–3 ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय लिखा है। यह हर भारतीय के सपनों और महत्वाकांक्षाओं को ऊपर उठाते हुए ऊंची उड़ान भरता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। मैं उनकी भावना और प्रतिभा का अभिनंनद करता हूं। 3,00,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए, यह चंद्रमा पर पहुंचेगा। चंद्रयान पर मौजूद वैज्ञानिक उपकरण चंद्रमा की सतह का अध्ययन करेंगे और हमारे ज्ञान को बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का इतिहास बहुत समृद्ध है। चंद्रयान 1 को वैश्विक चंद्र मिशनों में एक पथ प्रदर्शक माना जाता है क्योंकि इसने चंद्रमा पर जल के अणुओं की उपस्थिति की पुष्टि की है। यह दुनिया भर के 200 से अधिक वैज्ञानिक प्रकाशनों में प्रकाशित हुआ। बता दें कि चंद्रयान 3 मिशन भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है जो कि देश की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाने का काम करेगा।

## ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। वाराणसी के बहुचर्चित ज्ञानवापी परिसर की सर्वे के बीच मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से बड़ा बयान आया है। मुस्लिम पक्ष ने सर्वे को लेकर अफवाह फैलाने का आरोप लगाते हुए प्रक्रिया से अलग होने की चेतावनी दी। दरअसल, ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे के तीसरे दिन शनिवार को हिंदू पक्ष की वादिनी महिला और अधिवक्ताओं ने दावा किया कि तहखाने में मूर्तियों और मंदिर के टूटे हुए खंभों के अवशेष मिले हैं। हिंदू पक्ष के दावों पर मुस्लिम पक्ष ने रविवार को प्रतिक्रिया दी और दावों को अफवाह करार देते हुए इसे रोकने की बात कही। मीडिया से बातचीत में मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता मुमताज अहमद ने कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने अफवाह फैलाई कि मस्जिद के अंदर तहखाने में मूर्तियां, त्रिशूल और कलश मिले हैं, जो सही नहीं है।

## रावलपिंडी जा रही हजारा एक्सप्रेस की 10 बोगियां पटरी से उतरीं, 15 की मौत

रावलपिंडी, (एजेन्सी)। पाकिस्तान में एक बड़ा रेल हादसा ( सामने आया है। रावलपिंडी जा रही हजारा एक्सप्रेस की 10 बोगियां पटरी से उतरी गई हैं, जिसमें 15 लोगों की मौत हुई है। पाकिस्तान के जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ये हादसा रविवार को शहजादपुर और नवाबशाह के बीच स्थित सहारा रेलवे स्टेशन के पास हुआ है। रावलपिंडी जाने वाली हजारा एक्सप्रेस ट्रेन के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हुई है और 50 लोग घायल हुए हैं। दरअसल, सहारा रेलवे स्टेशन के पास रविवार को हवेलियन जाने वाली हजारा एक्सप्रेस की लगभग 10 बोगियां पटरी से उतर गईं। इस हादसे में कम से कम 15 यात्रियों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। वहीं, इस ट्रेन दुर्घटना के बाद सिंध के आंतरिक जिलों से आने–जाने वाली ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया गया है। साथ ही मौके पर पहुंचे बचाव दल ने घायलों को नवाबशाह के पीपुल्स मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन के पटरी से उतरने के पीछे का कारण का पता नहीं चल पाया है। रेलवे मंडल अधीक्षक रहमान ने पुष्टि की है कि ट्रेन दुर्घटना में 10 डिब्बे पटरी से उतरे हैं। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी प्राप्त की जा रही है।

## सदन में जनता के मुद्दे रखे जाएं : मायावती

नई दिल्ली (एजेन्सी)। यूपी विधानसभा के सोमवार से शुरू हो रहे सत्र पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा है कि सरकार आम जनहित के जरूरी मुद्दे जैसे बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, शांति व्यवस्था और सुरक्षा की बदहाल स्थिति पर विशेष जिम्मेदारी का परिचय दे। इन्हें लेकर लोगों का जीवन त्रस्त व अस्त व्यस्त है। मायावती ने विपक्ष को भी नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के वादों एवं दावों की याद दिलाए। सदन में उत्तरदायित्व बनाने तथा इन्हें इधर–उधर की बजाय तथात्मक बातें ही सदन में रखने को विवश करे। नियमों के तहत इनको इन मुद्दों के लिए बाध्य करना जरूरी है। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को विधानमंडल सत्र को लेकर सभी दलों की बैठक बुलाई जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

## ज्ञानवापी सर्वे का तीसरा दिन,अगले राउंड के सर्वे की हुई शुरुआत

**हिंदू पक्ष की वादिनी महिला और अधिवक्ता का दावा है कि तहखाने में भी एएसआई की टीम को कई मूर्तियों और मंदिर के टूटे हुए खंभों के अवशेष मिले हैं**

वाराणसी (एजेन्सी)। ज्ञानवापी परिसर में शुक्रवार चार अगस्त से एएसआई का सर्वे शुरू हो चुका है। रविवार यानी छह अगस्त को इस सर्वे का तीसरा दिन है, जब एएसआई की टीम यहां सर्वे का काम करेगी। इसके लिए एएसआई की टीम सुबह आठ बजे से मंदिर परिसर में सर्वेक्षण का काम कर रही है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और सुधीर त्रिपाठी भी ज्ञानवापी पहुंचे हुए है। वहीं ये भी दावा किया गया है कि मुख्य गुंबद के नीचे आदि विश्वेश्वर मंदिर का गर्भगृह है। सर्वे के तीसरे दिन जांच के लिए एएसआई की टीम मशीनों का भी उपयोग करेगी। ये दावा मंदिर पक्ष की ओर से किया गया है। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में मुख्य गुंबद के नीचे भी जांच की जानी चाहिए। इस स्थान पर आदि विश्वेश्वर मंदिर का गर्भगृह हुआ करता था। शिवलिंग और अन्य कई साक्ष्य इसके नीचे उपस्थित हो सकते है। कई मौकों पर अदालत में भी इनकी जानकारी दी गई है। वहीं हिंदू पक्ष की वादिनी महिला और अधिवक्ता का दावा है कि तहखाने में भी एएसआई की टीम को कई मूर्तियों और मंदिर के टूटे हुए खंभों के अवशेष मिले हैं। इस संबंध में हिंदू पक्ष को विश्वास है कि ज्ञानवापी से संबंधित विवाद थमेगा। मंदिर को लेकर जरुरी सबूत मिलेंगे। बता दें कि एएसआई की टीम लगातार ज्ञानवापी मंदिर परिसर में गुंबद, खंबों की वीडियो भी बना रही है, जिसमें दीवारों, गुंबदों और खंभों के चिन्हों को रिकॉर्ड किया गया है। माना जा रहा है कि एएसआई को यहां त्रिशूल, स्वास्तिक, घंटी आदि की आकृतियां मिली है, जिनकी फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हुई है। इसके साथ ही आकृति की निर्माण शैली, प्राचीनता आदि की जानकारी दर्ज की है। इस बीच, मुस्लिम पक्ष ने सर्वेक्षण को लेकर झूठी खबरें प्रसारित किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रक्रिया से अलग होने की चेतावनी दी। सरकारी वकील राजेश मिश्रा ने बताया, "एएसआई ने रविवार को लगातार तीसरे दिन सर्वे कार्य शुरू किया। सर्वे टीम सुबह आठ बजे ज्ञानवापी परिसर में दाखिल हुई। सर्वे का काम शाम पांच बजे तक चलेगा। दोपहर में दो घंटे का भोजन अवकाश होगा। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी ने सर्वे के लिए परिसर में प्रवेश करने से पहले संवादाताओं से कहा कि तीसरे दिन का सर्वे कार्य शुरू हो रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार को सर्वे के लिए डीजीपीएस समेत कई मशीनों का इस्तेमाल किया गया था और रविवार को रडार का उपयोग किए जाने की संभावना है। त्रिपाठी के मुताबिक, हिंदू और मुस्लिम दोनों ही पक्ष अब तक किए गए सर्वे से संतुष्ट हैं। इस बीच, ज्ञानवापी मस्जिद की रखरखावकर्ता अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव सैयद मोहम्मद यासीन ने बताया कि सर्वे को लेकर उच्चतम न्यायालय का आदेश आने के बाद मुस्लिम पक्ष दूसरे दिन के सर्वेक्षण में शामिल हुआ और आज भी उसके वकील सर्वे में मौजूद हैं,।

## छनी में तनाव पैदा होने की आशंका के बारे में खुफिया जानकारी नहीं थी : गृह मंत्री विज

चंडीगढ़ (एजेन्सी)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा है कि नूंह जिले में धार्मिक शोभायात्रा के मद्देनजर तनाव पैदा होने की आशंका के बारे में उनके पास कोई खुफिया जानकारी नहीं थी। 31 जुलाई को इस शोभायात्रा पर हमला हुआ था। विज ने नूंह में भड़की हिंसा से संबंधित सवाल के जवाब में शुक्रवार को कहा, ''मैंने अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) और पुलिस महानिदेशक से पूछा। उन्होंने भी यह कहा कि उन्हें कोई जानकारी नहीं थी।'' विज ने कहा, ''पता नहीं यह (खुफिया जानकारी) किसी के पास थी या नहीं, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। कम से कम मुझे तो इसके बारे में पता नहीं था।'' इस बारे में एक टीवी चौनल ने सीआईडी के एक निरीक्षक का 'स्टिंग' प्रसारित किया है, जिसमें कथित तौर पर दावा किया गया है कि अधिकारियों को मुस्लिम बहुल जिले नूंह में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की यात्रा के दौरान तनाव पैदा होने की आशंका के बारे में जानकारी थी। इस 'स्टिंग' की ओर इशारा करते हुए विज ने कहा कि स्टिंग ऑपरेशन का एक वीडियो सामने आया है और इसकी जांच होनी चाहिए कि निरीक्षक ने वह खुफिया जानकारी किसके साथ साझा की थी। मंत्री ने पूछा, ''अगर उनके पास जानकारी थी, तो उन्होंने यह किसके साथ साझा की।'

## राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर विनायक दामोदर सावरकर की गई टिप्पणी के बाद उनपर मानहानि मामला दायर किया गया है। इसी कड़ी में सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर ने पुणे की एक सत्र अदालत में एक आवेदन दायर कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के मामले को ष्सक्षम अदालतष में स्थानांतरित करने की मांग की है। सात्यकी ने इस साल अप्रैल में लंदन में हुए एक कार्यक्रम में सावरकर के खिलाफ कथित दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी को लेकर पुणे की एक मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया था। अब इस मामले में सात्यकी ने अदालत के सामने एक आवेदन भी दायर किया है।

## सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच दूसरे दिन भी भुठभेड़ जारी

**पुलिस ने आम जनता को घटनास्थल से दूर रहने की सलाह दी, कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि माना जा रहा है कि गांव में दो से तीन आतंकवादी छिपे है**

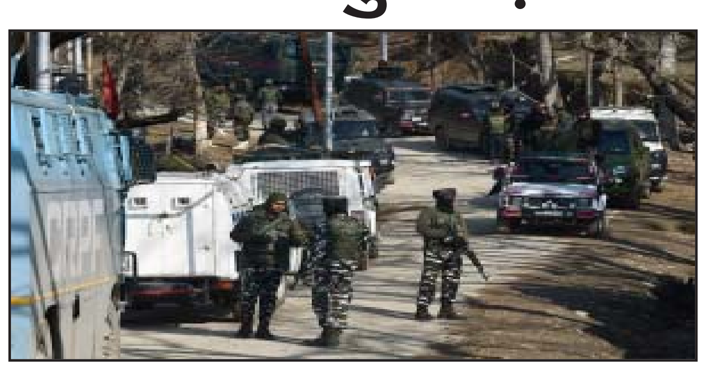

राजौरी /जम्मू (एजेन्सी)। जम्मू–कश्मीर में राजौरी जिले के एक गांव में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रविवार सुबह दूसरे दिन भी मुठभेड़ जारी है। पुलिस ने आम जनता को घटनास्थल से दो किलोमीटर दूर रहने की सलाह दी है। जम्मू में सेना के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि माना जा रहा है कि गांव में दो से तीन आतंकवादी छिपे हैं और रातभर गोलीबारी करके उनके भागने के सभी प्रयासों को विफल कर दिया गया है। राजौरी के बुद्धल इलाके के गुंधा–खवास गांव में शनिवार को सेना और पुलिस ने घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया था और इसी दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि ताजा जानकारी मिलने तक मुठभेड़ जारी थी। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती करके आतंकवादियों के बच निकलने के सारे रास्ते बंद कर दिए गए हैं और उन्हें ठिकाने लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारी के मुताबिक, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर यह अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मियों की एक छोटी टीम ने तलाश अभियान शुरू किया था और बाद में सेना एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी इसमें शामिल हो गए। अधिकारी के अनुसार, मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादी का शव अभी बरामद नहीं हुआ है। लेफ्टिनेंट कर्नल बर्तवाल ने कहा, ''आतंकवादियों का सुराग मिलने पर सेना के जवान क्षेत्र में आगे बढ़े और उन्हें घेर लिया। माना जा रहा है कि क्षेत्र में दो से तीन आतंकवादी मौजूद हैं। राष्ट्रीय राइफल्स के अतिरिक्त बल को इलाके में भेजा गया है।'' उन्होंने बताया कि भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर से विशेष बलों को क्षेत्र में लाया गया, जबकि रात में अभियान को अंजाम देने में सक्षम क्वाडकॉप्टर, मानव रहित विमानों और खोजी कुत्तों को भी शामिल किया गया। राजौरी में पुलिस ने रविवार को एक परामर्श जारी किया, जिसमें लोगों को सुरक्षा के मद्देनजर मुठभेड़ स्थल से दूर रहने की सलाह दी गई है। परामर्श में कहा गया है, ''यह सभी की जानकारी के लिए है कि गुंधा–खवास गांव में मुठभेड़ जारी है। लोगों को क्षेत्र में नहीं आने और उस स्थान से कम से कम दो किलोमीटर दूर रहने की सलाह दी जाती है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि ताजा जानकारी मिलने तक मुठभेड़ जारी थी। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती करके आतंकवादियों के बच निकलने के सारे रास्ते बंद कर दिए गए हैं।

## कावेरी जल की उपलब्धता के वास्ते कर्नाटक से बातचीत की जानी चाहिए : अन्नाद्रमुक

चेन्नई (एजेन्सी)। विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से कर्नाटक के अपने समकक्ष के साथ बातचीत करने और राज्य के लिए 86.380 टीएमसी कावेरी जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की रविवार को मांग की। तमिलनाडु के किसानों के लिए समस्या पैदा करने का कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए अन्नाद्रमुक महासचिव के. पलानीस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री को कर्नाटक के अपने समकक्ष सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के साथ बातचीत करनी चाहिए और कावेरी जल की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। पलानीस्वामी ने यहां एक बयान में कहा, ''वर्तमान में कर्नाटक के जलाशयों में लगभग 80 प्रतिशत भंडारण है। स्टालिन को बेंगलुरु का दौरा करना चाहिए और सिद्धरमैया और शिवकुमार के साथ बातचीत करनी चाहिए और जून, जुलाई और इस अगस्त के लिए 86.360 टीएमसी पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सहयोगी कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद कावेरी जल मुद्दा फिर से उभर आया है।

# सम्पादकीय

## ज्ञानवापी के पुरातात्विक सर्वेक्षण से अयोध्या जैसे साक्ष्य आ सकते हैं सामने

ज्ञानवापी परिसर के भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण की ओर से वैज्ञानिक परीक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय दिया, वह सत्य को सामने लाने में सहायक साबित होने वाला है। इस निर्णय के बाद मुस्लिम पक्ष को यह आभास हो जाए तो अच्छा कि वह बेवजह अदालतों का दरवाजा खटखटाकर सच्चाई से मुंह मोड़ने की कोशिश ही कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह जो सवाल किया कि आखिर सर्वेक्षण के जरिये सच को सामने लाने में क्या परेशानी है, उस पर मुस्लिम पक्ष को नीर–क्षीर ढंग से आत्मचिंतन करना चाहिए। उसे यह पता होना चाहिए कि उसने अयोध्या मामले में इसी तरह सच से मुंह मोड़ने की जो कोशिश की थी, उसके क्या परिणाम सामने आए। ज्ञानवापी परिसर के मामले में तो खुली आंखों से यह देखा–समझा जा सकता है कि यहां पर मंदिर तोड़कर मस्जिद का निर्माण किया गया। इसके तमाम ऐतिहासिक दस्तावेज भी उपलब्ध हैं, जो देश के ही नहीं, विदेश के लोगों ने भी लिखे। इनमें कुछ ऐसे दस्तावेज भी हैं जो औरंगजेब के करीबियों ने लिखे और जिनमें यह कहा गया है कि इस मुगल शासक ने काशी विश्वनाथ मंदिर को ध्वस्त करने का फरमान जारी करने का काम किया था। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के संदर्भ में अपना रुख साफ कर दिया है तब मुस्लिम पक्ष को उस तरह की गलती करने से बचना चाहिए जैसी गलती उसने अयोध्या मामले में की। उचित तो यह होगा कि इस विवाद का समाधान उसी तरह से करने की कोशिश की जाए जैसा कि कुछ दिनों पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इतिहास की भूलों को सुधारने का काम आवश्यक है और इसके लिए स्वयं मुस्लिम समुदाय को आगे आना चाहिए। कुछ मुस्लिम नेता भी इसी मत के हैं, लेकिन उन्हें बरगलाने की कोशिश करने वाले लोग और राजनीतिक दल सद्भाव से ऐसे मामलों का समाधान नहीं होने देना चाहते। आजादी के बाद से मुस्लिम तुष्टीकरण वाली वोट बैंक की राजनीति ने इस तरह के मामलों को सुलह और सहमति से हल करने में रोड़े ही अटकाए हैं। ज्ञानवापी के पुरातात्विक सर्वेक्षण से वैसे ही साक्ष्य सामने आ सकते हैं, जैसे अयोध्या में सामने आए थे। ज्ञानवापी का सच सामने लाने की कोशिश गड़े मुर्दे उखाड़ने वाली बात नहीं, बल्कि इतिहास की भूल को देर से ही सही, सुधारने की एक पहल है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला इस बात को रेखांकित करता है कि धर्मस्थल कानून ज्ञानवापी जैसे मामलों में सच उजागर करने में बाधक नहीं है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ज्ञानवापी जैसा मामला अकेला नहीं है। इन मामलों के संदर्भ में सच से मुंह मोड़ने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है, क्योंकि यह एक तथ्य है कि विदेशी आक्रांताओं ने भारत में बड़े पैमाने पर मंदिर का ध्वंस किया। ऐसे स्थल जो ये साफ तौर पर इंगित करते हैं कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई, वे हिंदू समाज के आत्मा को कचोटते हैं। ज्ञानवापी परिसर के मामले में तो खुली आंखों से यह देखा–समझा जा सकता है कि यहां पर मंदिर तोड़कर मस्जिद का निर्माण किया गया। इसके तमाम ऐतिहासिक दस्तावेज भी उपलब्ध हैं, जो देश के ही नहीं, विदेश के लोगों ने भी लिखे। इनमें कुछ ऐसे दस्तावेज भी हैं जो औरंगजेब के करीबियों ने लिखे और जिनमें यह कहा गया है कि इस मुगल शासक ने काशी विश्वनाथ मंदिर को ध्वस्त करने का फरमान जारी करने का काम किया था। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के संदर्भ में अपना रुख साफ कर दिया है तब मुस्लिम पक्ष को उस तरह की गलती करने से बचना चाहिए जैसी गलती उसने अयोध्या मामले में की। उचित तो यह होगा कि इस विवाद का समाधान उसी तरह से करने की कोशिश की जाए जैसा कि कुछ दिनों पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इतिहास की भूलों को सुधारने का काम आवश्यक है और इसके लिए स्वयं मुस्लिम समुदाय को आगे आना चाहिए। कुछ मुस्लिम नेता भी इसी मत के हैं, लेकिन उन्हें बरगलाने की कोशिश करने वाले लोग और राजनीतिक दल सद्भाव से ऐसे मामलों का समाधान नहीं होने देना चाहते। आजादी के बाद से मुस्लिम तुष्टीकरण वाली वोट बैंक की राजनीति ने इस तरह के मामलों को सुलह और सहमति से हल करने में रोड़े ही अटकाए हैं। ज्ञानवापी के पुरातात्विक सर्वेक्षण से वैसे ही साक्ष्य सामने आ सकते हैं, जैसे अयोध्या में सामने आए थे।

## आखिरकार राहुल गांधी के लिए लोकसभा जाने का रास्ता खुला

साढ़े चार महीने बाद ही सही, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए लोकसभा जाने का रास्ता खुल गया है। मोदी सरनेम को लेकर दिए गए राहुल के बयान मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने दोष सिद्धि पर रोक लगा दी है। इसके पहले निचली अदालत और हाईकोर्ट ने उनकी दो साल की सजा पर मुहर लगाई थी। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला सुनवाई पूरी होने पर ही आएगा, लेकिन फिलहाल चूँकि दोष सिद्धि पर ही रोक लगा दी गई है, इसलिए राहुल गांधी की सांसदी बहाल हो जाएगी। अंतिम फैसला भी राहुल के पक्ष में आता है तो वे अगला चुनाव भी लड़ सकेंगे। निचली अदालत के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल उठाया कि आखिर इस मामले में राहुल गांधी को अधिकतम सजा ही क्यों दी गई? अगर निचली अदालत ने उन्हें दोषी ही माना था तो एक साल, ग्यारह महीने की सजा भी तय की जा सकती थी। इससे कम से कम उनकी सांसदी बहाल रह सकती थी। कोर्ट ने कहा कि अधिकतम सजा के चलते एक लोकसभा सीट बिना सांसद के रह गई और यह केवल एक व्यक्ति या नेता के अधिकार का मामला नहीं है, उस लोकसभा सीट के लाखों मतदाताओं के अधिकार का सवाल भी है। यह सच है कि भाषण में राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा था, वह ठीक नहीं था। नेताओं को बोलते वक्त सावधानी रखनी ही चाहिए लेकिन इसके लिए अधिकतम सजा ही देना एक तरह से ठीक नहीं कहा जा सकता। कोर्ट की सुनवाई के दौरान जब राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मेरी दलीलें खत्म होने के 66 दिन तक कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा। अभी तक उस खाली सीट पर चुनाव आयोग ने नोटिफिकेशन भी जारी नहीं किया। शायद उन्हें लगता होगा कि फिलहाल वहाँ उनकी जीत के चांस काफी कम हैं। इस पर कोर्ट ने कहा वकील साहब यहाँ राजनीतिक भाषण मत दीजिए। इसे आप राज्यसभा के लिए बचाए रखिए। बहरहाल, राहुल गांधी की सांसदी फिलहाल तो बच गई है। लेकिन अब वे फिर कोई ऐसा बयान नहीं देंगे, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। वैसे भी इस तरह के बयानों को लेकर उनके खिलाफ देश की अलग– अलग अदालतों में कई अन्य मुकदमे भी चल रहे हैं। महाराष्ट्र, झारखण्ड और असम में ऐसे कुछ केस पहले से हैं। देखना यह है कि सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला क्या होगा और अलग–अलग अदालतों में राहुल के खिलाफ चल रहे अन्य मामलों में उन्हें सजा होगी या नहीं? होगी तो कितनी? हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला सुनवाई पूरी होने पर ही आएगा, लेकिन फिलहाल चूँकि दोष सिद्धि पर ही रोक लगा दी गई है, इसलिए राहुल गांधी की सांसदी बहाल हो जाएगी। अंतिम फैसला भी राहुल के पक्ष में आता है तो वे अगला चुनाव भी लड़ सकेंगे। निचली अदालत के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल उठाया कि आखिर इस मामले में राहुल गांधी को अधिकतम सजा ही क्यों दी गई? अगर निचली अदालत ने उन्हें दोषी ही माना था तो एक साल, ग्यारह महीने की सजा भी तय की जा सकती थी। इससे कम से कम उनकी सांसदी बहाल रह सकती थी। कोर्ट ने कहा कि अधिकतम सजा के चलते एक लोकसभा सीट बिना सांसद के रह गई और यह केवल एक व्यक्ति या नेता के अधिकार का मामला नहीं है, उस लोकसभा सीट के लाखों मतदाताओं के अधिकार का सवाल भी है। यह सच है कि भाषण में राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा था, वह ठीक नहीं था। नेताओं को बोलते वक्त सावधानी रखनी ही चाहिए लेकिन इसके लिए अधिकतम सजा ही देना एक तरह से ठीक नहीं कहा जा सकता। कोर्ट की सुनवाई के दौरान जब राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मेरी दलीलें खत्म होने के 66 दिन तक कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा। अभी तक उस खाली सीट पर चुनाव आयोग ने नोटिफिकेशन भी जारी नहीं किया।

# एनआइए को दिया जाना चाहिए छानबीन का दायित्व

क्या किसी की यात्रा में शामिल होने की घोषणा से लोगों को यात्रा, धर्म स्थलों, दुकानों, गाड़ियों आदि पर हमला करने, आग लगाने का अधिकार मिल गया? मोनू यात्रा में शामिल भी नहीं हुआ। अभी तक इसका भी कोई प्रमाण नहीं है कि प्रतिवर्ष निकलने वाली बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा में किसी को उत्तेजित करने वाले नारे लगाए गए। अगर गुस्सा तात्कालिक था तो इतनी संख्या में छतों पर पत्थर, पेट्रोल बम, गोली चलाने वाले हथियार आदि कहां से आ गए? एक शोरूम से सौ से अधिक बाइक लोग लूट कर ले गए। इस दुस्साहस के बारे में क्या कहा जाए, क्या यह बिना तैयारी संभव था। निरूसंदेह इससे हरियाणा पुलिस–प्रशासन पर सवाल खड़ा होता है। प्रश्न पूछे जा रहे हैं कि एक पक्ष की हिंसा की इतनी तैयारी थी और पुलिस को भनक तक नहीं लगी?

अवधेश कुमार

हरियाणा के नूंह जिले में हुई हिंसा ने हर संवेदनशील भारतीय को झकझोर कर रख दिया है। यह अलग बात है कि जिस स्वरूप में चर्चा मणिपुर की हो रही है, वैसी नूंह की नहीं। पहले से पुलिस द्वारा अनुमति प्राप्त और कई वर्षों से चलने वाली वार्षिक धार्मिक यात्रा को केंद्र बनाकर किए गए हमलों में अगर पुलिसकर्मियों को गोली मारी जाए, यात्रा में शामिल लोग कई घंटों तक चारों तरफ हो रही गोलीबारी एवं पत्थरबाजी के बीच मंदिर में छिपे रहने को विवश हों, रास्ता इस तरह जाम कर दिया जाए कि पुलिस बल आगे न जा सके और केंद्र को सुरक्षाबलों को एयरड्राप करना पड़े तो इससे भयावह स्थिति कुछ नहीं हो सकती। दरअसल नूंह के नल्हड़ स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक करने के बाद यात्रा गांव सिंगार की ओर जा रही थी। अचानक नूंह में खोलना मोड़ के पास लोगों के समूह ने पहले उसे घेरा और फिर पथराव करने के साथ गोलियां भी चलाई जाने लगीं। इस बीच नूंह अनाज मंडी स्थित साइबर क्राइम थाने पर भी हमला कर दिया गया। जब थाने पर हमले हों और पुलिसकर्मियों को जान बचानी पड़े तो आम आदमी की सुरक्षा कैसे होगी?

स्थिति कितनी विकट रही होगी, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि यात्रा में शामिल करीब ढाई हजार लोग मंदिर में छिप गए और उन्हें घंटों वहीं बंद रहना पड़ा। नल्हाड़ के शिव मंदिर में लगभग ढाई हजार श्रद्धालु, यात्री फंसे थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। चारों तरफ से गोलियां चल रही थीं, पत्थर बरसाए जा रहे थे, नारे लग रहे थे। कुछ देर बाद पुलिस पहुंची। पुलिस ने सोचा कि उपद्रव को तुरंत शांत कर लोगों को निकाला जा सकता है, लेकिन लगातार हमलावरों की संख्या और हमलों की तीक्ष्णता बढ़ती जा रही थी। बढ़ते खतरे को देख पुलिस ने लोगों को छोटे–छोटे समूहों में निकालने का निर्णय लिया। पुलिस एक ओर कवर फायरिंग से इनका सामना करती रही दूसरी ओर घेरे में लोगों को बाहर निकालती रही। वास्तव में यह राज्य के अंदर एक युद्ध की स्थिति थी। हमलावरों ने कई घंटों के लिए पूरी व्यवस्था को अपनी नियोजित हिंसा की गिरफ्त में ले लिया था। नूंह से लेकर चारों तरफ कई किलोमीटर तक अगर एक ही समान हमले, आगजनी, तोड़फोड़, गोलीबारी, पत्थरबाजी आदि हों तो सीधा निष्कर्ष यही है कि लंबे समय से इसकी तैयारी की गई थी। लोगों को प्रशिक्षित किया गया था। हरसंभव संसाधन जुटाए गए थे। अंदर ही अंदर प्रचार तंत्र का उपयोग करते हुए जनसंपर्क हुआ होगा। अनेक स्थानों पर तैयारी बैठकें हुई होंगी। लगता है हमलावरों ने तय कर लिया था कि कानून–व्यवस्था का उनके लिए कोई मायने नहीं है। जो लोग इतने व्यापक क्षेत्र में हुए भीषण हमलों के लिए बजरंग दल के प्रांत गोरक्षा प्रमुख मोनू मानेसर के वीडियो को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं वे आखिर क्या कहना चाहते हैं?

क्या किसी की यात्रा में शामिल होने की घोषणा से लोगों को यात्रा, धर्म स्थलों, दुकानों, गाड़ियों आदि पर हमला करने, आग लगाने का अधिकार मिल गया? मोनू यात्रा में शामिल भी नहीं हुआ। अभी तक इसका भी कोई प्रमाण नहीं है कि प्रतिवर्ष निकलने वाली बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा में किसी को उत्तेजित करने वाले नारे लगाए गए। अगर गुस्सा तात्कालिक था तो इतनी संख्या में छतों पर पत्थर, पेट्रोल बम, गोली चलाने वाले हथियार आदि कहां से आ गए? एक शोरूम से सौ से अधिक बाइक लोग लूट कर ले गए। इस दुस्साहस के बारे में क्या कहा जाए, क्या यह बिना तैयारी संभव था। निरूसंदेह इससे हरियाणा पुलिस–प्रशासन पर सवाल खड़ा होता है। प्रश्न पूछे जा रहे हैं कि एक पक्ष की हिंसा की इतनी तैयारी थी और पुलिस को भनक तक नहीं लगी? जबकि पुलिस से अनुमति लेकर यात्रा निकाली गई थी। इसे सुरक्षा देना पुलिस का दायित्व था। घटना के बाद हरियाणा पुलिस की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। हिंसक क्षेत्र में लोगों को सुरक्षित रखने तथा उनके अंदर से भय निकालने के लिए ठोस उपाय करने होंगे। वैसे पहले से ही शासन–प्रशासन पर उस क्षेत्र में खतरे की अनदेखी करने का आरोप लगता रहा है। पूर्व में ऐसी अनेक छोटी–छोटी घटनाएं हुईं, जो सरकारों को चेतावनी देने के लिए पर्याप्त थीं। लगता है जैसे पुलिस के लिए मेवात क्षेत्र में चल रही मजहबी कट्टरपंथी गतिविधियों से कोई लेना–देना ही नहीं रहा हो। अगर पहले से सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद होती तो साजिश रचने वाले पकड़ में आ जाते एवं हथियार, पत्थर, डंडे आदि भी जब्त होते। हालांकि इससे देश में जड़ जमा चुके मजहबी कट्टरपंथ और दूसरे धर्मों के विरुद्ध हिंसा की तैयारी के सर्वप्रमुख पहलू को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। क्या भारत में सामान्य धार्मिक उत्सव या यात्राएं सुरक्षा घेरे में आयोजित होंगी? पुलिस नहीं हो तो क्या सामूहिक धार्मिक क्रियाकलाप नहीं हो सकता? हमले केवल शोभायात्रा तक तो सीमित नहीं रहे। कई किलोमीटर तक जगह–जगह हुए हमले, वाहनों को क्षतिग्रस्त करना, सड़कों को बाधित करना या धर्मस्थलों को निशाना बनाना आदि साबित करते हैं कि षड्यंत्रकारियों का लक्ष्य कुछ और था। यदि इसे भीड़ की हिंसा मान केवल कुछ लोगों को पकड़कर खानापूर्ति की गई तो खतरा ज्यादा बढ़ेगा। यह योजना बनाकर हमला करने का मामला है। ऐसे लोग किसी भी मजहब के हों, उन्हें सजा न देने का अर्थ होगा ऐसी प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित करना।

ऐसा नहीं होने से इसके विरुद्ध प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं। लोगों के गुस्से को खत्म करने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। इस तरह के हमले और हिंसा की प्रवृत्ति देश के दूसरे राज्यों में भी दिख रही है, इसलिए छानबीन का दायित्व एनआइए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी को दिया जाना चाहिए। दरअसल नूंह के नल्हड़ स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक करने के बाद यात्रा गांव सिंगार की ओर जा रही थी। अचानक नूंह में खोलना मोड़ के पास लोगों के समूह ने पहले उसे घेरा और फिर पथराव करने के साथ गोलियां भी चलाई जाने लगीं। इस बीच नूंह अनाज मंडी स्थित साइबर क्राइम थाने पर भी हमला कर दिया गया। जब थाने पर हमले हों और पुलिसकर्मियों को जान बचानी पड़े तो आम आदमी की सुरक्षा कैसे होगी? स्थिति कितनी विकट रही होगी, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि यात्रा में शामिल करीब ढाई हजार लोग मंदिर में छिप गए और उन्हें घंटों वहीं बंद रहना पड़ा। नल्हाड़ के शिव मंदिर में लगभग ढाई हजार श्रद्धालु, यात्री फंसे थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। चारों तरफ से गोलियां चल रही थीं, पत्थर बरसाए जा रहे थे, नारे लग रहे थे। कुछ देर बाद पुलिस पहुंची। पुलिस ने सोचा कि उपद्रव को तुरंत शांत कर लोगों को निकाला जा सकता है, लेकिन लगातार हमलावरों की संख्या और हमलों की तीक्ष्णता बढ़ती जा रही थी। बढ़ते खतरे को देख पुलिस ने लोगों को छोटे–छोटे समूहों में निकालने का निर्णय लिया। पुलिस एक ओर कवर फायरिंग से इनका सामना करती रही दूसरी ओर घेरे में लोगों को बाहर निकालती रही। वास्तव में यह राज्य के अंदर एक युद्ध की स्थिति थी। हमलावरों ने कई घंटों के लिए पूरी व्यवस्था को अपनी नियोजित हिंसा की गिरफ्त में ले लिया था। नूंह से लेकर चारों तरफ कई किलोमीटर तक अगर एक ही समान हमले, आगजनी, तोड़फोड़, गोलीबारी, पत्थरबाजी आदि हों तो सीधा निष्कर्ष यही है कि लंबे समय से इसकी तैयारी की गई थी। लोगों को प्रशिक्षित किया गया था। हरसंभव संसाधन जुटाए गए थे। अंदर ही अंदर प्रचार तंत्र का उपयोग करते हुए जनसंपर्क हुआ होगा। अनेक स्थानों पर तैयारी बैठकें हुई होंगी।

# यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज की ओर तेजी से बढ़ रहा देश

जनजातीय स्वास्थ्य पहल सहित निःशुल्क औषधि सेवा पहल, निःशुल्क निदान पहल, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, उन्नत स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन आवंटन, आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में स्वास्थ्य एवं कल्याण सेवाएं, राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवाएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम इत्यादि जैसे विभिन्न अद्वितीय कार्यक्रमों ने समाज द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की उपयोगिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां एक और महत्वपूर्ण बिंदु का उल्लेख प्रासांगिक हो जाता है कि स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसके साथ ही व्यय की दिशा व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की ओर है। वर्तमान सरकारी स्वास्थ्य व्यय के हिस्से के रूप में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल व्यय का हिस्सा वित्त वर्ष 2013–14 में 51.1 प्रतिशत से बढ़कर 2019–20 में 55.9 प्रतिशत हो गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में जितना अधिक निवेश होगा, उतनी ही उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता कम होगी, ।

मनसुख मांडविया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि 'अच्छा स्वास्थ्य मानव प्रगति और समृद्धि की आधारशिला है। आने वाला भविष्य उन्हीं समाजों का होगा, जो स्वास्थ्य के क्षेत्र में पर्याप्त संसाधन लगाएंगे।' पीएम के कुशल नेतृत्व में भारत सरकार का दृष्टिकोण देश के सबसे असहाय और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को किफायती एवं गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इस दिशा में केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक आयुष्मान भारत कार्यक्रम की घोषणा की।

इस कड़ी में आयुष्मान भारत–हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का एक अनूठा संगम है। देश में लगभग 1,60,000 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर हैं। इनमें वेलनेस सत्र का आयोजन किया जाता है। वहीं प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे आने वाले लोगों को 2.38 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। वे पूरे भारत में 28,351 सूचीबद्ध अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत अभी तक 5.3 करोड़ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं और उन्हें 61,501 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया गया है। इससे देश में स्वास्थ्य पर जेब से किए गए खर्च में भारी कमी आई है, जो पहले परिवारों को गरीबी में धकेल दिया करता था। ये आंकड़े दिखाते हैं कि देश यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज की ओर तेज गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति स्पष्ट रूप से यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज का मार्ग निर्धारित करती है। यह नीति स्वास्थ्य पर जेब से किए गए खर्च को कम करके स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर देती है। भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी खर्च को बढ़ाकर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में सुधार के महत्व को समझता है। उपलब्ध राष्ट्रीय स्वास्थ्य खातों के अनुसार वित्त वर्ष 2013–14 से 2019–20 तक के आंकड़ों पर आधारित सरकारी स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि और जेब से किए गए खर्च में कमी दिखती है। भारत में सरकारी स्वास्थ्य व्यय में निरंतर बढ़ोतरी देखी जा रही है जिसमें वित्त वर्ष 2013–14 और 2019–20 के बीच कुल स्वास्थ्य व्यय के प्रतिशत में 28.6 प्रतिशत से 41.4 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। प्रति व्यक्ति के संदर्भ में बात की जाए तो इसी अवधि के दौरान सरकारी स्वास्थ्य व्यय 1,042 रुपये से बढ़कर 2,014 रुपये हो गया। इस व्यय को यदि सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी के संदर्भ में व्यक्त किया जाए तो इसी अवधि के दौरान यह 1.15 प्रतिशत से बढ़कर 1.35 प्रतिशत हो गया। कुल स्वास्थ्य व्यय में जेब से किए व्यय की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013–14 में 64.2 प्रतिशत से घटकर 2019–20 में 47.1 प्रतिशत हो गई। यह सरकार द्वारा स्वास्थ्य पर किए गए व्यय की वृद्धि से संभव हुआ है। स्वास्थ्य पर जेब से होने वाले खर्च में लगातार गिरावट से यही संकेत मिलता है कि हम देश में एक सुदृढ़ एवं प्रगतिशील स्वास्थ्य प्रणाली को साकार रूप देने के करीब हैं। सरकारी स्वास्थ्य व्यय में यह वृद्धि लोगों की देखभाल के लिए सार्वजनिक सुविधाओं के बढ़ते उपयोग में भी परिलक्षित होती है। जनजातीय स्वास्थ्य पहल सहित निःशुल्क औषधि सेवा पहल, निःशुल्क निदान पहल, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, उन्नत स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन आवंटन, आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में स्वास्थ्य एवं कल्याण सेवाएं, राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवाएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम इत्यादि जैसे विभिन्न अद्वितीय कार्यक्रमों ने समाज द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की उपयोगिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां एक और महत्वपूर्ण बिंदु का उल्लेख प्रासांगिक हो जाता है कि स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसके साथ ही व्यय की दिशा व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की ओर है। वर्तमान सरकारी स्वास्थ्य व्यय के हिस्से के रूप में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल व्यय का हिस्सा वित्त वर्ष 2013–14 में 51.1 प्रतिशत से बढ़कर 2019–20 में 55.9 प्रतिशत हो गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में जितना अधिक निवेश होगा, उतनी ही उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता कम होगी, जिससे निवेश पर बेहतर रिटर्न मिलेगा और लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिलेंगे। इसके अतिरिक्त भारत में स्वास्थ्य पर सामाजिक सुरक्षा व्यय वित्त वर्ष 2013–14 में छह प्रतिशत से बढ़कर 2019–20 में 9.3 प्रतिशत हो गया, क्योंकि वेलनेस सेंटर देश में लाखों लोगों के लिए स्वास्थ्य के प्रति वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे है। देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का यह विकसित रूप दर्शाता है कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इसकी पुष्टि इस तथ्य से भी होती है कि सरकार ने स्वास्थ्य प्रणालियों को अधिक लचीला बनाने के लिए विभिन्न चौनलों के माध्यम से अतिरिक्त धन आवंटित किया है, जिनमें स्वास्थ्य अनुदान आयोग, प्रधानमंत्री–आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, आदिवासियों के लिए स्वास्थ्य पहल, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन आदि शामिल हैं।

पूरी तरह से लागू हो जाने पर ये सभी पहल एक सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में सामने आएंगी। इनके साथ केंद्र सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन, पोषण अभियान, जल जीवन मिशन, स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस पहल, फिट इंडिया मूवमेंट, ईट राइट इंडिया मूवमेंट इत्यादि का सूत्रपात कर स्वास्थ्य के निकटतम निर्धारकों को प्रमुख महत्व दिया है। वित्त वर्ष 2022–23 और 2023–24 के बीच स्वच्छ भारत मिशन के लिए बजटीय आवंटन में 3,000 करोड़, जल जीवन मिशन के लिए 10,000 करोड़ और पोषण अभियान के लिए 291 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। बीमारी की रोकथाम और समुदाय के सदस्यों के बीच स्वस्थ व्यवहार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति सरकार का यह समग्र दृष्टिकोण निश्चित रूप से देश को 'सबका साथ, सबका विकास, सबका स्वास्थ्य' की सच्ची भावना में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज प्राप्त करने में मदद करेगा। उपलब्ध राष्ट्रीय स्वास्थ्य खातों के अनुसार वित्त वर्ष 2013–14 से 2019–20 तक के आंकड़ों पर आधारित सरकारी स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि और जेब से किए गए खर्च में कमी दिखती है। भारत में सरकारी स्वास्थ्य व्यय में निरंतर बढ़ोतरी देखी जा रही है जिसमें वित्त वर्ष 2013–14 और 2019–20 के बीच कुल स्वास्थ्य व्यय के प्रतिशत में 28.6 प्रतिशत से 41.4 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। प्रति व्यक्ति के संदर्भ में बात की जाए तो इसी अवधि के दौरान सरकारी स्वास्थ्य व्यय 1,042 रुपये से बढ़कर 2,014 रुपये हो गया। इस व्यय को यदि सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी के संदर्भ में व्यक्त किया जाए तो इसी अवधि के दौरान यह 1.15 प्रतिशत से बढ़कर 1.35 प्रतिशत हो गया। कुल स्वास्थ्य व्यय में जेब से किए व्यय की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013–14 में 64.2 प्रतिशत से घटकर 2019–20 में 47.1 प्रतिशत हो गई। यह सरकार द्वारा स्वास्थ्य पर किए गए व्यय की वृद्धि से संभव हुआ है। स्वास्थ्य पर जेब से होने वाले खर्च में लगातार गिरावट से यही संकेत मिलता है कि हम देश में एक सुदृढ़ एवं प्रगतिशील स्वास्थ्य प्रणाली को साकार रूप देने के करीब हैं। सरकारी स्वास्थ्य व्यय में यह वृद्धि लोगों की देखभाल के लिए सार्वजनिक सुविधाओं के बढ़ते उपयोग में भी परिलक्षित होती है।

## नई पीढ़ी जानती है कि खुद पर निवेश कैसे करें

32 साल के सुरेश कुमार के गंदे दांत–बिखरे बाल देखकर शायद आप असहज हो जाएं। पर आपको पता है रसोई में मिक्सर, वॉशिंग मशीन, डबल–डोर रेफ्रिजरेटर, मिक्सर ग्राइंडर, सीलिंग फैन या गैस स्टोव सुधारने में सबसे ज्यादा उसी पर निर्भरता है। जब वह कोई चीज हाथ में लेता है, छूकर तार और उसके कलपुर्जों की पहचान करता है, वो भी पावर प्लग निकाले बिना, तब जाकर आपको लगता है कि उपकरण सही हाथों में है। जब तक आप भरोसा कर पाते हैं, वह ठीक 15 मिनट में इसे ठीक कर देता है। सुरेश कोयम्बटूर में अपना सर्विस सेंटर चलाता है। आप सोच रहे होंगे इसमें क्या महान बात है? आपको ये सुनकर धक्का लगेगा कि वह पूरी तरह दृष्टिहीन है! ताज्जुब नहीं कि जब तक वह समय नहीं दे देता, लोग शांति से इंतजार करते हैं। गारंटी में मौजूद उत्पादों को सुधारने के लिए स्टोर्स उसे काम का ठेका देते हैं। 5 साल की उम्र में दिमागी बुखार से उसकी रोशनी चली गई थी, इसके बाद दृष्टिहीनों के सरकारी स्कूल में पांचवीं तक पढ़ाई की। दस साल से भी पहले उसकी बड़ी बहन रेवाती ने एक इलेक्ट्रिकल सामान के सर्विस सेंटर पर जाकर सुरेश को काम सिखाने की विनती की। यह टर्निंग पॉइंट रहा। सुरेश कॉइल वाइंडिग में महारती हो गया और दस साल तक दो सर्विस सेंटर पर काम करते हुए और काम सीखा। सही मायनों में उसने अपनी जवानी के दस साल इन आधुनिक उपकरणों को अँदर से सीखने में निवेश कर दिए। छह महीने पहले उसने ताकत जुटाई और खुद का 'मारी इलेक्ट्रिकल खोला।' वहां का बड़ा इलेक्ट्रिकल अप्लायंस स्टोर ढेर सारे उपकरणों की मरम्मत का काम उसे देता है। लोग यूपीआई से उसे पैसा देते हैं। अब इस दृष्टिहीन मैकेनिक का दूसरा बड़ा ख्वाब है। वह दृष्टिहीनों को प्रशिक्षित करने के लिए संस्थान शुरू करना चाहता है, ताकि उन्हें ट्रेनों और बसों में भीख न मांगनी पड़े। अब एक अन्य उदाहरण लेते हैं। महाराष्ट्र के छोटे–से गांव परभणी के रहने वाले तीन भाइयों कृष्णा, ओमकार और आकार सिसोडे ने इस सप्ताह एकसाथ पुलिस भर्ती में कांस्टेबल की परीक्षा पास की है। अब फिर से न कहें कि कांस्टेबल बनना क्या बड़ी बात है। वो इसलिए क्योंकि जब वे प्राइमरी स्कूल में थे, तब उनके किसान माता–पिता ने 2012 में कर्ज के कारण आत्महत्या कर ली थी। तीनों में सबसे बड़ा कृष्णा तब छठवीं में था और अपने छोटे भाइयों के साथ माता–पिता की अंत्येष्टि की। तीनों भाई परभणी के अनाथालय में पले–बढ़े। तब वे इतने छोटे थे कि इसका अंदाजा भी नहीं था कि उन्होंने क्या खो दिया है, पर उन्होंने अपना सारा समय पढ़ाई में लगाने का तय किया। अब उनकी कड़ी मेहनत का परिणाम मिला है। कृष्णा और आकार मुंबई पुलिस जॉइन करेंगे, वहीं ओमकार ट्रेनिंग के बाद परभणी पुलिस जॉइन करेगा। इस गुरुवार को मेरी मुलाकात 20 साल के विशाल बरेथा से हुई, जो कि भोपाल में एमबीए कर रहा है और सेकंड ईयर में है। छोटे–से गांव सीहोर के किसान के बेटे विशाल के पास पढ़ाई जारी रखने के पैसे नहीं थे। उसे लगा कि किसी होटल में हाउसकीपिंग का काम करके वह अपनी पूरी सैलरी बचा लेगा क्योंकि वहां रहना–खाना फ्री होता है। उसने गुजरात की एक होटल में तब तक काम किया, जब तक कि पढ़ाई के लिए जरूरी पैसे जमा नहीं हो गए और पैसे से उसे काम का लालच नहीं हुआ। उसने नौकरी छोड़ी, पढ़ाई की। अब उसे भरोसा है कि 2024 में पढ़ाई पूरी होने के साथ उसे बेहतर सैलरी की नौकरी मिल जाएगी। फंडा यह है कि पहले खुद पर निवेश करें– चाहे पढ़ाई के रूप में या किसी हुनर में। क्योंकि ये ऐसी चीजें हैं, जिसे कोई नहीं छीन सकता। जवानी में किए इस निवेश से ही आप जीवन भर कमाई कर सकते हैं। जब वह कोई चीज हाथ में लेता है, छूकर तार और उसके कलपुर्जों की पहचान करता है, वो भी पावर प्लग निकाले बिना, तब जाकर आपको लगता है कि उपकरण सही हाथों में है। जब तक आप भरोसा कर पाते हैं, वह ठीक 15 मिनट में इसे ठीक कर देता है। सुरेश कोयम्बटूर में अपना सर्विस सेंटर चलाता है। आप सोच रहे होंगे इसमें क्या महान बात है? आपको ये सुनकर धक्का लगेगा कि वह पूरी तरह दृष्टिहीन है! ताज्जुब नहीं कि जब तक वह समय नहीं दे देता, लोग शांति से इंतजार करते हैं। गारंटी में मौजूद उत्पादों को सुधारने के लिए स्टोर्स उसे काम का ठेका देते हैं। 5 साल की उम्र में दिमागी बुखार से उसकी रोशनी चली गई थी, इसके बाद दृष्टिहीनों के सरकारी स्कूल में पांचवीं तक पढ़ाई की।

# नैक पीयर टीम ने परिसर के कई संकायों का किया निरीक्षण

## 1-विभागों में प्रजन्टेशन और एसएसआर में दाखिल दस्तावेजों को देखा

## टीम ने संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और शिक्षकों के साथ किया संवाद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नैक मूल्यांकन के लिए मधुसूदन लॉ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कमल जीत सिंह की अध्यक्षता में छह सदस्यीय टीम ने सोमवार को गहन निरीक्षण का कार्य शुरू कर दिया। टीम सात, आठ और नौ अगस्त 2023 तक विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययन, लैब, स्टूडियो समेत अन्य गतिविधियों, संसाधनों का निरीक्षण करेगी। साथ ही एसएसआर में विश्वविद्यालय की ओर से भरे गए तथ्यों का क्रैटेरियावाइज अवलोकन किया।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग हाल में सुबह टीम के समक्ष सबसे पहले विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या और भावी योजनाओं का विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया। कुलपति प्रो. मौर्य ने कहा कि सम्बद्ध महाविद्यालयों की समय से परीक्षा और उनका रिजल्ट घोषित करने में हमने बड़ी सफलता पाई है। शोध की गुणवत्ता के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया है। इसके परिणामस्वरूप एक दर्जन से अधिक शोध प्रोजेक्ट शिक्षकों को मिले। कुलपति के प्रस्तुतीकरण के बाद टीम ने कुलपति सभागार में संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष के साथ संवाद कर विश्वविद्यालय से जुड़ी अन्य जानकारियां भी ली। कुलपति सभागार में टीम ने संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों से संवाद किया उन्होंने उनसे परिसर के पाठ्यक्रमों और शोध के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली। प्रो बीबी तिवारी, डॉ. अजय द्विवेदी और प्रो. मुराद अली ने इस द्विपक्षीय संवाद में अपनी बात रखी। शोध कार्य के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। आईक्यूएसी सेल के समन्वयक प्रो. मानस पांडेय ने टीम का स्वागत के साथ परिचय कराया।

इसके बाद एक टीम इंजीनियरिंग संस्थान, प्रो. रज्जू भैय्या भौतिकी शोध संस्थान, विज्ञान संकाय में जनसंचार विभाग और विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों का विजिट किया और दूसरी टीम फार्मेसी संस्थान, दत्तोपंत ठेगड़ी विधि संस्थान के बाद व्यावहारिक मनोविज्ञान के साथ इन्क्यूबेशन सेंटर, कल्चरल क्लब का निरीक्षण किया।

टीम में मधुसूदन विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कमलजीत सिंह अध्यक्ष, सदस्य समन्वयक मणिपुर विश्वविद्यालय इंफाल के प्रोफेसर योगेन्द्रो सिंह, मिजोरम विश्वविद्यालय की प्रो जोकैथलोआँगी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के प्रोफेसर चंदन गुप्ता, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रोफेसर संदीप जैन एवं जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली के प्रोफेसर रविंद्र कुमार नैक पीयर टीम में विश्वविद्यालय आए हुए हैं। विभागाध्यक्षों ने टीम के सदस्यों को विभाग के शिक्षण, शोध विद्यार्थियों एवं समस्त गतिविधियों के बारे में बताया। जनसंचार विभाग में विद्यार्थियों द्वारा निर्मित डाक्यूमेंट्री, खबरों, ब्लॉग पूरब बानी, फेसबुक पेज एवं विश्वविद्यालय के यू-ट्यूब चौनल के साथ स्टूडियों को देखा और तारीफ भी की। इसके पूर्व टीम का विश्वविद्यालय अतिथि गृह में औपचारिक स्वागत किया गया। दिनभर की गतिविधियों में कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उपकुलसचिव अमृतलाल, सहायक कुलसचिव अजीत सिंह, दीपक सिंह, बबिता सिंह, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. वंदना राय, प्रो. सुरजीत यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. संदीप सिंह, डा. गिरधर मिश्र, डा. प्रवीण सिंह, डा. सुनील कुमार, डा. धर्मेंद्र सिंह आदि रहे।

# "चलो नहर की टेल" कार्यक्रम के तहत चौपाल का आयोजन

जौनपुर। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत नलकूप-वाराणसी परिक्षेत्र के नियन्त्रणाधीन नलकूप मण्डल, वाराणसीध्लघु डाल नहर खण्ड, जौनपुर के कुल 14 पम्प कैनालों पर मा0 जल शक्ति मन्त्री स्वतंत्र देव सिंह जी के निर्देश के क्रम में 06 अगस्त 2023 को "चलो नहर की टेल" कार्यक्रम के तहत सभी पम्प कैनालों पर चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के माध्यम से पानी के बचाव एवं उपयोगिता, हेड के कृषकों से माँग के अनुसार पानी मिलने, टेल के कृषकों से जल उपलब्धता के आधार पर फसलों का चयन, पम्प कैनाल की सुरक्षा तथा ओसराबन्दी के अनुसार कृषकों को सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में कृषकों से सीधे संवादध् चर्चा की गयी।

उपर्युक्त समस्याओं के निराकरण हेतु कृषकों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त किए गए तथा विभाग द्वारा सिंचाई हेतु प्रयास किए जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी कृषकों को उपलब्ध कराई गई।

चौपाल कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अधीक्षण अभियन्ता, नलकूप मण्डल, वाराणसी, अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड, वाराणसीध्लघु डाल नहर खण्ड, जौनपुर एवं नलकूप अनुरक्षण खण्ड, वाराणसी तथा अधीनस्थ सहायक अभियन्ता/उपराजस्व अधिकारी/अवर अभियन्ता/जिलेदार ध्सींचपर्यवेक्षक एवं सींचपाल आदि द्वारा विशेष प्रयास किया गया। उक्त जानकारी अधिशासी अभियन्ता लघु डाल हरीशचन्द्र तिवारी ने दी है।

# महिला मोर्चा ने हथकरघा दिवस समारोह मनाया बच्चों ने तख्ती लेकर निकाली पद यात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आज राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर महिला मोर्चा ने गुलाबी देवी विद्यालय में उदय प्रताप सिंह प्रबंधक गुलाबी देवी विद्यालय के नेतृत्व में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर पदयात्रा निकाली जिसमें बच्चे और बच्चियों ने हाथ में तख्तियां लेकर जुलूस के रूप पद यात्रा की और लोगो को हथकरघा के प्रति जागरूक की।

इस मौके पर प्रबंधक उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आज के दिन 9वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जा रहा है यह श्वोकल फॉर लोकलश की भावना में स्थानीय वस्त्रों और हथकरघा को लोकप्रिय बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर है। हथकरघा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लघु और मध्यम उद्योग को बढ़ावा देना है। इसके अलावा यह दिन बुनकर समुदाय को सम्मानित करने और भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में उनके योगदान को सराहने के मकसद से भी हथकरघा दिवस मनाया जाता है। यह बहुत जरूरी है कि हथकरघा से बनी चीजें देश- विदेश के कोने-कोने तक पहुंचे। इससे भारत को अलग पहचान तो मिलेगी ही साथ ही बुनकर समुदायों को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

भाजपा महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष रागिनी सिंह ने कहा कि देश में हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाने और दुनियाभर में हैंडलूम की पहचान बनाने के मकसद से हर साल 7 अगस्त का दिन भारत में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाया जाता है। हैंडलूम हमारे भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है या यों कहें कि पहचान है। पहवाने से लेकर घर की सजावट तक में हैंडलूम को अब खासतौर से शामिल किया जाने लगा है, जिससे इस इंडस्ट्री में रोजगार बढ़ा है और कारीगरों की स्थिति भी सुधर रही है। हैंडलूम उद्योग बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देने के अलावा महिलाओं को आत्म निर्भर बनने का भी मौका देता है। हमारे देश में ऐसे कई राज्य हैं, जो खासतौर से अपने हैंडलूम के लिए जाने जाते हैं, जैसे- आंध्र प्रदेश की कलमकारी, गुजरात की बांधनी, तमिलनाडु का कांजीवरम और महाराष्ट्र की पैठनी, मध्य प्रदेश की चंदेरी, बिहार का भागलपुरी सिल्क कुछ ऐसे हैंडलूम हैं, जो भारत ही नहीं, दुनिया भर में मशहूर हैं।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राखी सिंह, सीमा तिवारी के साथ-साथ विद्यालय कि शिक्षिका की उपस्थिति रही।

# श्री अन्न की खेती, विपणन, प्रसंस्करण एवं श्री अन्न के स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में दी गयी विस्तृत जानकारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। उ0प्र0 मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत आज जनपद स्तरीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन कृषक सभागार, सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन शोध केन्द्र, हरदोई में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद में ज्वार, बाजरा, कोदो, सांवा एवं रागी की खेती करने वाले कृषकों को श्री अन्न की खेती, विपणन, प्रसंस्करण एवं श्री अन्न के स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में डा० ए०के० तिवारी, कृषि वैज्ञानिक, के०वी०के०, हरदोई (प्रथम) ने श्री अन्न की बुवाई के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। डा० सी०पी०एन० गौतम, कृषि वैज्ञानिक, के०वी०के०, हरदोई (प्रथम )द्वारा कृषकों को श्री अन्न की फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट तथा उनकी प्राकृतिकध्जैविक विधि से नियंत्रण के बारे में जानकारी दी गयीं। डा० त्रिलोकी सिंह, कृषि वैज्ञानिक के०वी०के०, सण्डीला हरदोई (द्वितीय) ने कृषकों को बताया कि श्री अन्न अधिक लाभप्रद, पौष्टिक और पर्यावरण अनुकूल होने के कारण लाभकारी है। डा0 चन्द्र शेखर, प्रभारी उप पशु चिकित्साधिकारी, हरदोई ने कृषकों को बताया कि श्री अन्न पशु चारा, खाद्य, ईंधन, दवाईया एवं अन्य मूल्य संवर्धित उत्पादों के रूप में उपयोग किया जाता है। पुत्तन लाल, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरिक्षक, हरदोई द्वारा बताया गया कि कृषक गन्ना की खेती के साथ-साथ श्री अन्न की भी खेती सहफसली पद्धति के आधार पर कर सकते हैं। विनीत कुमार, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, सदर, हरदोई द्वारा बताया गया कि मिलेट्स 60 से 90 दिवसों में तैयार होने वाली फसलें हैं फलतः मिलेट्स से किसान एक वर्ष में अधिक फसलें ले सकते है। डा० नन्द किशोर, उप कृषि निदेशक द्वारा कृषकों को श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती हेतु बीज उर्वरक कीटनाशक, सिंचाई जल आदि कृषि निवेशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी साथ ही अवगत कराया कि मिलेट्स शुष्क क्षेत्रों और कम उपजाऊ भूमि में भी अच्छी उपज दे सकते हैं तथा इनमें सूखा सहन करने की क्षमता होती है। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग के समस्त वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए एवं लगभग 150 कृषक उपस्थित रहे।

# जयपुरिया लखनऊको मिली 'NAAC A+' मान्यता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषदध्नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन कॉउंसिल (एन.ए.ए.सी) ने जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ को श.़श ग्रेड मान्यता प्रदान की है।

जयपुरिया लखनऊ अपनी स्थापना के 27वें वर्ष में चल रहा है। एक संस्थान के रूप में 2012 से इसे नैक (छ।।ब) मान्यता (साइकिल-1, ग्रेड ए, स्कोर 3.20) प्राप्त करने की दुर्लभ उपलब्धि हासिल हुई है। 2017 में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ को साइकिल-2 में पुनः 3.32 स्कोर के साथ ग्रेड ए मान्यता दी गई। 2023 में संस्थान ने साइकिल-3 मूल्यांकन में 3.45 स्कोर के साथ .। ग्रेड का मील का पत्थर हासिल किया। इसके शैक्षणिक कार्यक्रम एनबीए द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

छ।।ब पीयर टीम ने जयपुरिया लखनऊ की टीचिंग और लर्निंग, फैकल्टी, और छात्र विकास, इन्क्यूबेशन इत्यादि पहलुओं की सराहना की। यह परिणाम संस्थान द्वारा अपने पिछले ग्रेड (बी़) पर की गई अपील पर आधारित हैय अपील की अनुकूल सुनवाई पर नैक पीयर टीम का दोबारा दौरा हुआ और अंतिम ग्रेड ए़ प्रदान किया गया।

उच्च शिक्षा की मात्रा और गुणवत्ता (प्रस्तावित शैक्षणिक कार्यक्रमों की प्रासंगिकता और उत्कृष्टता) दोनों ही महत्वपूर्ण होती हैं। छ।।ब की स्थापना स्वयंसेवी संस्थानों को आत्मनिरीक्षण और एक प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित मापदंडों के अनुसार उनके प्रदर्शन का आकलन करने के लिए की गई है जो संस्थानों को मान्यता प्रदान करती है।

एनएएसी (छ।।ब), यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के तहत एक स्वायत्त अधिकारी संस्था है, जो विभिन्न बिंदुओं पर विश्वविद्यालयों, संस्थानों, कॉलेजों की मूलभूतता और शिक्षा के अन्य गुणात्मक पहलुओं, शिक्षक-छात्र अनुपात, छात्रों की सुविधाएं, और प्लेसमेंट का मूल्यांकन करता है। श.़श ग्रेड जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ के शिक्षण और प्रशासन के सभी पहलुओं में कठोर मानकों के पालन को दर्शाता है।

ष्एक संस्थान के रूप में छ।।ब .। ग्रेड प्राप्त कर हमें बहुत खुशी हुई है। यह हमारे लिए अपने सभी प्रयासों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए तथा खुद को फिर से प्रतिबद्ध करने का एक अवसर हैष - डॉ. कविता पाठक, डायरेक्टर, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ

ष्साइकिल-3 के लिए नैक (छ।।ब) कोऑर्डिनेटर के रूप में मुझे इस परिणाम पर खुशी हो रही हैय जो हमारे संस्थान की अच्छी तैयारियों और मजबूत प्रणालियों को रेखांकित करता हैष - डॉ. सुषमा विश्नानी, डीन - एकेडेमिक्स, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ को NAAC द्वारा मेंटर इंस्टीट्यूट बनाया गया है। जयपुरिया लखनऊ वर्तमान में लखनऊ पब्लिक कॉलेजिएट के लिए NAAC मेंटर हैं।

# क्या होता है सारकोमा कैंसर, कैसे करें इसके लक्षणों की पहचान और क्या है इलाज, एक्सपर्ट से जानें सबकुछ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊरू कैंसर के कई प्रकार होते हैं. एक होता है सारकोमा (ैंत. बवउं) कैंसर. ये एक दुर्लभ कैंसर होता है जो हड्डियों और शरीर के सॉफ्ट टिशूज जैसे- नसें, मांसपेशियां, चर्बी, ब्लड वेसल्स और जोड़ों से पनपता है. सारकोमा के केस बहुत ही कम सामने आते हैं. एडल्ट कैंसर के सभी मामलों में करीब एक फीसदी सारकोमा कैंसर और चाइल्डहुड कैंसर में इसके करीब 15 फीसदी केस होते हैं. ये कैंसर भले ही कम होता है लेकिन ये बहुत ही घातक होता है और शरीर के अन्य हिस्सों में भी इसका प्रसार होता है. मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल साकेत नई दिल्ली में मस्क्यूलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी एंड कैंसर केयर के डायरेक्टर व हेड डॉक्टर अक्षय तिवारी ने इस विषय में विस्तार से जानकारी दी.

सारकोमा के प्रकार

सॉफ्ट टिशू सारकोमारू ये शरीर के सॉफ्ट टिशू में पनपनता है और फिर अन्य हिस्सों जैसे मसल्स, नसें, ब्लड वेसल्स, फैटी टिशूज और टेंडन में भी फैल सकता है.

बोन सारकोमाः घुटने के आसपास के एरिया में ये सारकोमा कैंसर होता है.

सारकोमा के लक्षण

सारकोमा के लक्षण ट्यूमर की लोकेशन और साइज पर निर्भर करते हैं. इसमें कॉमन संकेत और लक्षण हैं-

-गांठ या मास जो दर्दनाक हो सकता है या नहीं भी हो सकता है

-किसी हिस्से में दर्द या सॉफ्टनेस

-सीमित मोशन (विशेषकर जोड़ों और मसल्स पर ट्यूमर के असर के मामले में)

-थकान और बेवजह वजन घटना

-ट्यूमर के आसपास के बॉडी पार्ट्स पर दबाव जिससे नसों में दर्द या सांस लेने में कठिनाई हो सकती है सारकोमा होने के कारण

सारकोमा किस कारण होता है, इसकी असल वजह का तो पता नहीं चल पाता है. हालांकि, कुछ ऐसे रिस्क फैक्टर्स हैं जिनसे इसकी पहचान की जा सकती है.

जेनेटिक फैक्टसरू ली-फ्रॉमेनी

सिंड्रोम और हेरिडेटरी रेटिनोब्लास्टोमा जैसी रेयर जेनेटिक परिस्थितियों में सारकोमा पनपने का डर बढ़ जाता है.

रेडिएशन का संपकरू रेडिएशन की हाई डोज के संपर्क में आने से इसका खतरा रहता है. जैसे कैंसर के इलाज में रेडिएशन थेरेपी दी जाती है, उसमें सारकोमा पनपने का डर रहता है.

पर्यावरणीय कारणरू विनाइल क्लोराइड और आर्सेनिक जैसे कुछ केमिकल भी सारकोमा को जन्म देने का काम करते हैं.

उम्ररू सारकोमा किसी उम्र में हो सकता है लेकिन इसके कुछ अन्य रूप कुछ स्पेसिफिक एज ग्रुप के लोगों में ही पनपते हैं.( जैसे बच्चों में इविंग सारकोमा)

सारकोमा का डायग्नोसिस

सारकोमा का पता लगाने के लिए कई तरह की प्रकियाएं इस्तेमाल की जाती हैं.

बायोप्सीरू जहां ट्यूमर होने की आशंका रहती है उस हिस्से से टिशू लिया जाता है और माइक्रोस्कोप की मदद से कैंसरस सेल्स का पता लगाया जाता है.

इमेजिंग स्टडीजरू एक्स-रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और पीईटी स्कैन के जरिए भी ट्यूमर का पता लगाया जाता है.

जेनेटिक टेस्टिंगरू सारकोमा से जुड़ी कुछ विशिष्ट जेनेटिक असामान्यताओं का पता लगाने के लिए ये टेस्टिंग की जाती है.

सारकोमा का इलाज

सारकोमा का इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि वो किस स्टेज में है और किस हिस्से में है. इसकी स्टेज का पता कैंसर के साइज और ग्रेड से लगता है. इसके कुछ इलाज हैं.

सर्जरी। सारकोमा को ठीक करने के लिए ये सबसे पहला इलाज है. सर्जन इस तरह से सर्जरी की कोशिश करते हैं कि ये फिर से न पनपे.

रेडिएशन थेरेपीरू इसमें हाई एनर्जी एक्स-रे और रेडिएशन के दूसरे तरीकों का इस्तेमाल कैंसर सेल्स को मारने के लिए किया जाता है. इसका इस्तेमाल सर्जरी से पहले ट्यूमर को सिकोड़ने के लिए भी किया जा सकता है और सर्जरी के बाद बचे हुए कैंसर सेल्स को खत्म करने के लिए भी किया जा सकता है.

कीमोथेरेपीरू कैंसर सेल्स को खत्म करने या उनकी ग्रोथ को रोकने के लिए एंटी-कैंसर कैंसर ड्रग्स देकर कीमोथेरेपी की जाती है. जो सारकोमा सिर्फ सर्जरी से खत्म नहीं हो पाते और उनके अन्य अंगों तक फैलने का खतरा रहता है, उनमें कीमोथेरेपी की जाती है.

टारगेटेड थेरेपीरू सारकोमा के कुछ मामलों में स्पेसिफिक जेनेटिक असामान्यताएं होती हैं और ऐसे मामलों में ट्यूमर की ग्रोथ को रोकने के लिए टारगेटेड ड्रग्स थेरेपी दी जाती है.

इम्यूनोथेरेपीरू सारकोमा उपचार के शुरुआती चरणों में, इम्यूनोथेरेपी का उद्देश्य मरीज के इम्यून सिस्टम को कैंसर कोशिकाओं को अच्छे ढंग से पहचानने और उनके खिलाफ अटैक करने के लिए तैयार करना होता है.

# मेरे जीवन में और मेरे ह्रदय में माधुर्य पैदा हो: रमेश भैया

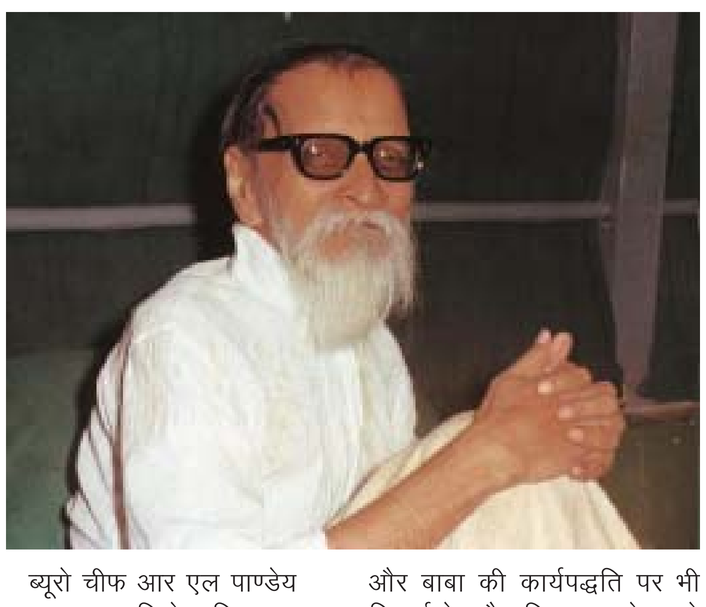

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 'विनोबा विचार प्रवाह' ऐसे थे विनोबाजी पुस्तक से 'पाषाण से पानी निकाला' अपने पर हुए उपकार का स्मरण करते हुए विनोबाजी तीन व्यक्तियों का जिक्र करते थे ऋ ৳ 'बाबा विनोबा को अपने जीवन में करने लायक जो कुछ भी सूझा उसमें अधिक से अधिक मदद शास्त्रग्रंथ छोड़ दें तो शंकर ,ज्ञानदेव ,और गांधी,इन तीनों से मिली। जिसे महापुरुषसंश्रय कहते हैं,वह पूर्ण अर्थ में विनोबा जी को गांधी जी से प्राप्त हुआ।''संगति विचारों का लाभ तदनुसार काम करने का मौका,तीनों मिलकर ही महापुरुषसंश्रय होता है, 'वह बाबा विनोबा को गांधी जी से ही मिला।' आदि शंकराचार्य का भी बाबा पर वैसा ही उपकार है। 'तत्वज्ञान की जो शंकाएं तार्किक मन में पैदा हो सकती हैं वे मेरे मन में भी कम ऋबेशी पैदा हुईं ।उनके निरसन में बाबा को अधिक से अधिक मदद शंकराचार्य से मदद मिली।' 'ज्ञानदेव महाराज' का बाबा विनोबा पर जो उपकार है,उसे व्यक्त करने के लिए बाबा के पास शब्द ही नहीं हैं ।वह चिंतन पर है,ह्रदय पर है और बाबा की कार्यपद्धति पर भी दिखाई देता है ।बल्कि बाबा तो मानते थे कि उनके शरीर पर भी है।' 'सभी ओर से बाबा के जीवन पर ज्ञानदेव जी का गहरा असर रहा है ।उनका अपार ज्ञान ,अपार करुणा, मधुर वाणी,नम्रता,आदि सब अदभुत ही है।' बाबा को भाव भी उन्होंने दिए यहां तक कि भाषा भी उन्होंने ही दी ।और बाबा को तो जीवन प्रेरणा भी उन्हीं से प्राप्त हुई। 'बाबा विनोबा का कहना था। कि मेरे जीवन में और मेरे ह्रदय में माधुर्य पैदा किया हो और इस पाषाण से पानी निकाला हो,इस पाषाण को ।द्रवित किया हो तो वह ज्ञानदेव महाराज ने ही किया है ।इस पाषाण को शंकराचार्य ने द्रवित नहीं किया ,उन्होंने मजबूत किया। इस पाषाण को गांधीजी ने द्रवित और मजबूत नहीं किया बल्कि उन्होंने उस पर कारीगरी की ।परंतु उसमें से पानी निकालने का पराक्रम अगर किसी ने किया हो, तो वह ज्ञानदेव महाराज ने ही किया।'

या । जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया ।

# यूपी बेसिक शिक्षकों के पारस्परिक तबादले : 25 अगस्त तक पूरी करनी होगी प्रक्रिया

लखनऊ (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग में जिले के अंदर शिक्षकों के पारस्परिक तबादले की प्रक्रिया 25 अगस्त तक पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले शिक्षक मानव संपदा पोर्टल पर अपना डाटा अपडेट करने के लिए बीएसए को प्रत्यावदेन देंगे और बीएसए इसे अपडेट कर शिक्षकों के प्रत्यावेदन को 10 अगस्त तक स्वीकृत या निरस्त करेंगे। विभाग के अनुसार कुछ शिक्षक पोर्टल पर अपलोड डाटा में संशोधन करते हुए रजिस्ट्रेशन पत्र को फिर से पूरा करने की मांग कर रहे हैं। ऐसे शिक्षक अपना प्रत्यावेदन खुद उपस्थित होकर या ई-मेल से अपने बीएसए को देंगे। बीएसए अपनी लॉगिन से इसे करेक्शन करते हुए शिक्षकों के रजिस्ट्रेशन पत्र को स्वीकृत या निरस्त करने की कार्यवाही 10 अगस्त तक करेंगे। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने सभी बीएसए को निर्देश दिए हैं कि इसके बाद 11 अगस्त से शिक्षक, दूसरे शिक्षक के साथ अपना पेयर (जोड़ा) बनाएंगे। इसके लिए जिसके साथ वह पारस्परिक तबादला कर रहे हैं, के पास ओटीपी जाएगा। ओटीपी भरने के साथ ही पारस्परिक तबादला मान्य होगा। शिक्षक यह कार्यवाही 12 से 21 अगस्त तक करेंगे। बीएसए इसका सत्यापन 25 अगस्त तक करके उनके आवेदन को स्वीकृत या निरस्त करेंगे।

# मानसून सत्र में नए रूप में नजर आएगा यूपी विधानभवन

लखनऊ (संवाददाता)। मानसून सत्र में विधानभवन नए रूप में नजर आएगा। मुख्य प्रवेश द्वार से गैलरी तक दीवार के दोनों ओर लगी एलईडी स्क्रीन पर सदन में बोलते विधायक और मंत्री नजर आएंगे। विधानसभा के पटल को भी नया रूप दिया गया है। विधानसभा के डिजिटल कॉरिडोर का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ छह अगस्त को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की उपस्थिति में करेंगे। गैलरी की दीवारों पर विधानसभा के ऐतिहासिक क्षणों की फोटो लगाई जाएंगी। बता दें, इससे पहले बजट सत्र में एक डिजिटल गैलरी बनाई गई थी। डिजिटल गैलरी में विधानसभा के इतिहास का चित्रण किया गया है। नये स्वरूप को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि यूपी विधानसभा एक नए स्वरूप में देश के सामने होगी।

# आप राजधानी में निकालेगी तिरंगा संकल्प यात्रा, अयोध्या से सैकड़ों कार्यकर्ता होंगे शामिल -संजीव निगम

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आम आदमी पार्टी राजधानी लखनऊ में तिरंगा संकल्प यात्रा निकालेगी।आगामी 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में तिरंगा संकल्प यात्रा प्रदेश कार्यलय से समता मूलक चौराहे तक निकाली जाएगी जिसमें हजारों कार्यकर्ता शिरकत करेंगे।यह जानकारी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व अयोध्या जिला प्रभारी संजीव निगम ने रविवार को अयोध्या के एक स्थानीय होटल में जिला इकाई के साथ मासिक बैठक के दौरान दी।संजीव निगम ने आगे बताया कि अयोध्या में जिला इकाई एवं विधानसभा इकाइयों में फेरबदल कर पुनर्गठित कर दिया गया है और ब्लॉक स्तर की इकाइयों के गठन का कार्य तेजी से चल रहा है पार्टी ने अक्टूबर के मध्य तक ग्राम इकाइयों को गठित करने का लक्ष्य रखा है।

अयोध्या जिलाध्यक्ष एडवोकेट अनिल प्रजापति ने बताया कि आम आदमी पार्टी पिछले कई वर्षों से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा संकल्प यात्रा निकालती रही है। अनिल प्रजापति ने आगे कहा कि तिरंगा संकल्प यात्रा देशभक्ति राष्ट्रीय गौरव और अपनेपन की भावना पैदा करने के लिए है। देश भर में बढ़ रहे नफरत के माहौल को खत्म करने के लिए संकल्प लिया जाएगा और देश को आजाद कराने में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। मेयर उम्मीदवार रहे महानगर अध्यक्ष कुलभूषण साहू ने बताया कि महानगर इकाई के गठन के बाद सभी 60 वार्डो के गठन की प्रक्रिया चल रही है और शीघ्र ही पूरी कर ली जायेगी। इस बैठक में जिला महासचिव सुनील मौर्या, जिला कोषाध्यक्ष दिलीप वर्मा,जिला मीडिया प्रभारी विवेक वर्मा, प्रदेश महिला विंग से गुड़िया राईन,मिल्कीपुर विधानसभा प्रभारी हर्षवर्धन कोरी,तथा जिला उपाध्यक्षो में गायत्री मिश्रा, शारजाह मास्टर,हैदर अली,संदीप पटेल,विनोद रावत व विधानसभा अध्यक्षो में अयोध्या से शुभम श्रीवास्तव, रूदौली से लल्ला भैया,बीकापुर से अशोक गौड़ और जिला सचिवों में कृष्णनाथ यादव,राम अवध तथा जिला व महानगर कार्यकारिणी सदस्यों में राजीव पाठक,यू के द्विवेदी,प्रवीण द्विवेदी,संजय कोरी,नीलेश चतुर्वेदी ,सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे तथा आज पार्टी में शामिल होने वाले नए सदस्योंके रघुनाथ प्रताप,सत्य प्रकाश मौर्या, मखदूम रावत, अर्जुन कुमार,मो इमरान, रामशंकर,शिवम,ब्रजेन्द्र कुमार आदि प्रमुख रहे।

# एस० के० डी० एकेडमी में एक नया एआई आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स प्रयोगशाला का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस0 के0 डी0 एकेडमी में एक नया एआई आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स प्रयोगशाला का उद्घाटन विद्यार्थियों के लिए प्रोग्रामिंग तकनीक सरल तरीके से सीखना भविष्य के लिए आसान हुआ।

एसकेडी एकेडमी ने आज एक नई ए आई एवं रोबोटिक्स प्रयोगशाला का उद्घाटन किया है, जो एक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नये अध्ययन और उन्नति का संवेदनशील केंद्र है। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों, शिक्षकों, और अन्य अनुसंधानकर्ताओं के लिए एक उच्च–स्तरीय संसाधन प्रदान करेगी। इसके माध्यम से हम आगे बढ़ते हुए एआई प्रौद्योगिकी के लिए उन्नत अनुसंधान और नवीनतम विकास के क्षेत्र में नव संभावनाओं का पता लगाएंगे। इस प्रयोगधाला में हम विभिन्न एआई तकनीकों, मशीन लर्निंग, और न्यूरल नेटवर्किंग जैसे उन्नत तकनीकों के अध्ययन और अनुसंधान पर केंद्रित करेंगे। हमारा मुख्य उद्देश्य एक बेहतर और समृद्ध भविष्य के लिए एआई के समाधानों को बढ़ावा देना है, जो विभिन्न क्षेत्रों में लागू हो सकते हैं, जैसे स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं और अन्य संबधित क्षेत्रों में विद्यार्थी इसके द्वारा विभिन्न रोबोटिक्स उपकरण जैसे रोबो कार, रोबो फैन्स, रोबो हेलीकॉप्टर, रोबो विंडमिल, रोबो ट्राईसाइकिल, टेबल फेन, वोट, क्रेन, शॉकर, कैटपुल्ट, रेस कार, आदि बनाना सीख रहे हैं। जिससे उनका ध्यान व रचनात्मकता का विकास होता है।

इस अवसर पर निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने कहा कि हम इस प्रयोगशाला के उद्घाटन के साथ एसकेडी एकेडमी के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए एक शिक्षात्मक वैज्ञानिक तकनीकी गतिविधियों का आयोजन करने जा रहे हैं। यह यात्रा उन्हें विशेषज्ञों से मिलने और उनके अनुभवों से अधिक सीखने का एक मौका प्रदान करेगी।

हम उम्मीद करते हैं कि यह नई एआई प्रयोगशाला हमारे संबंधित क्षेत्रों में अग्रणी अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी और विभिन्न अनुसंधान योजनाओं को प्रोत्साहित करेगी।

# मां का दूध शिशु के लिये सर्वोत्तम - एडी डॉ पवन कुमार

## विश्व स्तनपान सप्ताह पर सीएमओ सभागार में कार्यशाला का हुआ आयोजन

अयोध्या। मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है। मां के द्वारा अपने शिशुओं को स्तनपान कराने से शिशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है। यह बातें सीएमओ सभागार में आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह जनपद स्तरीय कार्यशाला में मौजूद अपर निदेशक डॉ पवन कुमार ने कही।उन्होंने कहा कि जो महिलाएं अपने शिशुओं को स्तनपान कराती है उनका शिशु शारीरिक व मानसिक विकास तेजी से होती है। उन्होंने बताया कि आगे चलकर ये सभी बालक स्वस्थ होगे। इसी कड़ी में संयुक्त निदेशक डॉ रमेश कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समाज में रह रही माताओं को अपने शिशुओं को अधिक से अधिक स्तनपान कराने के लिये प्रेरित करना है।इस मौके पर सीएमओ डॉ संजय जैन ने कहा कि हमारे समाज में रह रही सभी माताएं अपने शिशुओं को अधिक से अधिक स्तनपान करायेगी तो सभी शिशुओं का शारीरिक व मानसिक विकास तेजी से होगा।उन्होंने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है तथा मां द्वारा बेहतर स्तनपान व्यवहार प्रक्रिया से शिशु का मानसिक एवम शारीरिक विकास होता है। इस कार्यशाला में ए सी एम ओ (आर सी एच),डीपीएम आर पी पटेल, डी सी पी एम अमित कुमार,डी एच ई आई ओ डी पी सिंह के अलावा विभिन्न चिकित्सा इकाईयों के समस्त अधीक्षक,बी पी एम, नर्स मेंटर,यूनिसेफ के अलावा टी एस यू के सभी प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# अधिवक्ता की गोली मार कर हत्या , क्षेत्र में सनसनी

सुलतानपुर। घटना रविवार देर शाम की है जहाँ पर बदमाशों ने अधिवक्ता की गोली मार कर हत्या कर दी । साथ मौजूद उनके भाई को भी गोली लगी । जिसे गंभीर अवस्था में राजकीय मेडिकल कालेज से ट्रामा सेन्टर लखनऊ रिफर कर दिया

गया । घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गयी । पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा घायल का हाल जानने के के लिए मेडिकल कालेज पहुंचे । कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के भुलकी गांव निवासी अधिवक्ता आजाद अहमद भाई मंजूर अहमद के साथ बाइक से घर लौट रहे थे । जैसे दोनों लोग अयोध्या प्रयागराज मार्ग पर नकराही चौराहे पर पहुंचे थे कि बाइक सवार बदमाशो ने उनपर फायरिंग शुरू कर दी । गोल्नी लगते ही दोनों गिर पड़े । अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाश भाग निकले । गोली की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहचें इसकी सूचना पुलिस को दी गयी । एसओ कोतवाली देहात कृष्ण मोहन सिंह ने स्थानीय लोगों की मदघ्द से अधिवक्ता व उनके भाई को राजकीय मेडिकल कालेज पंहुचाया । जहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया ।

# नए सीएमओ के तेवर से अधिकारी व क्रमचारियों में हड़कंप

'सुलतानपुर' चार्ज लेते ही मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.ओम प्रकाश ने शनिवार प्रातः 10.40 बजे औचक निरीक्षण पर अपने ही कार्यालय की सच्चाई जांचने निकले तो कार्यालय के कई पटल पर ताले लटकते नजर आए,जिम्मेदार पटल से गायब मिलें,सीएमओ को क्रमचारियों की यह आदत इतनी नागवांर गुजरी की उन्होनें फौरन छः क्रमचारियों का एकदिन का वेतन काटने का आदेश देते हुए नोटिस भी जारी कर दिया,सीएमओ के निरीक्षण में ऐपीडिमियोलांजिस्ट आकर्ष शुक्ला,डेटा मैनेजर नितिन भारद्वाज,संविदा डेटा मैनेजर आजाद यादव,सहायक प्रतिरक्षण अधिकारी अमित दूबे,आऊटसोर्स डेटा आपरेटर अमन अब्बास और डीपीसी उपासना सिंह कार्यालय में ताला बंद कर गायब रहें,बता दें की प्रधानमंत्री मातृ वंदना कार्यालय में आयुष्मान योजना का महत्वपूर्ण कार्यालय है,उसके जिम्मेदार क्रमचारी भी संभवतः नदारत ही रहे,परंतु उनपर कार्यवाई नही हुई।

सीएमओ डॉ.ओम प्रकाश ने बताया की मैने पहले ही दिन बता दिया था की काम के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नही होगी,बावजूद इसके क्रमचारी गंभीर नही दिखे,उन्होनें कहाकि यदि क्रमचारियों का ऐसा ही रवैया रहा,तो हम सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनमानस तक कैसे पहुंचा पाएगें,मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहाकि इसबार सिर्फ एकदिन का वेतन काटने का आदेश दिया गया है,परंतु भविष्य में इसकी पुनरावृति पर ठोस कार्यवाही की जाएगी।बहरहाल मुख्य चिकित्साधिकारी के तेवर और कार्यवाई से क्रमचारियों में हड़कंम हैं।

# मुकदमे में सुलह से किया मना तो युवक को मार दी गोली

लखनऊ (संवाददाता)। हसनगंज इलाके में शनिवार रात काम से लौट रहे सूरज निषाद (26) को कुछ लोगों ने मुकदमे में सुलह करने से मना करने पर गोली मार दी। गोली युवक के बाएं हाथ पर लगी। घायल युवक को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मनकामेश्वर मंदिर रोड इलाके में सूरज निषाद परिवार संग रहता है। उसके मुताबिक रात करीब नौ बजे वह काम से घर लौट रहा था। मंदिर मोड़ के पास पीछे से डालीगंज के हारून और अतहर ने उसे रोक लिया। दोनों ने 15 जुलाई को दर्ज कराए गए मुकदमे में सुलह करने के लिए कहा। इनकार पर दोनों ने असलहा निकाल कर गोली चला दी। एक गोली सूरज के बाएं हाथ में लगी। इस बीच सूरज का साथी रितिक वहां पहुंच गया। उसने सूरज को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों का एक साथी आशीष जोशी आ धमाका और सूरज पर चाकू से हमला कर दिया।

# पंपलेट के माध्यम से महिला पुलिस ने महिलाओं को दिये सुरक्षात्मक टिप्स

अयोध्या।मिशन शक्ति दीदी अभियान के तहत सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस दल ने सोमवार को महिलाओं बालिकाओं को गोष्ठी के माध्यम से जहां एक ओर उन्हें पंपलेट के माध्यम से सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।इस अभियान में शामिल महिला पुलिस कर्मियों ने साथ ही गलीध्मोहल्लों ,बाजारों, सडकों पर बेवजह घूम रहे लड़कोंध्शोहदों से पूछताछ कर बेवजह इधर–उधर न घूमनें की सख्त हिदायत दी गयी।वही वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए बताया गया कि किसी अन्जान व्यक्ति से अपना ओटीपी शेयर न करें। यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो वह तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करायें।इस मौके पर महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वावलम्बी बनाने,उनमें सुरक्षित परिवेश की अनुभूति कराने हेतु शासन द्वारा जारी महिला सुरक्षा संबंधी टिप्स दिए।वही पंपलेट के माध्यम से उन्होंने वहां पर मौजूद महिलाओं व बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन 1090, यूपी–112,181,1076 आदि नंबर के बारे में बताया। साथ ही गलीध्मोहल्लों ,बाजारों, सडकों पर बेवजह घूम रहे लड़कों/शोहदों से पूछताछ कर बेवजह इधर–उधर न घूमनें की सख्त हिदायत दी गयी।

# आठ अगस्त को प्राईवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन ने किया सांकेतिक बंद का आह्वान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ स्थित स्कूल में हुई दुर्घटना एवं इसके कारण अभिभावकों की शिकायत पर स्कूल के प्रिंसिपल एवं शिक्षक की हुई गिरफ्तारी के विरोध में उत्तर प्रदेश के सभी स्कूल मंगलवार दिनांक 8 अगस्त 2023 को बंद रहेंगे। स्कूलों के द्वारा इस सांकेतिक विरोध का उद्देश्य है कि आजमगढ़ के स्कूल में हुई दुर्घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए।छात्रा द्वारा जो कदम उठाया गया है उसमें प्रिंसिपल और शिक्षक का क्या दोष है।यदि सम्बंधित व्यक्ति दोषी पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध उचित कार्यवाही की जाए। किंतु उपरोक्त प्रकरण में बिना किसी ठोस जांच के प्रिंसिपल एवं शिक्षक की गिरफ्तारी की गई जो कि अनुचित है। घटना का मुख्य कारण मोबाइल फोन छात्रा के पास से पकड़ा गया जो कि उनके अभिभावकों द्वारा दिया गया था न कि स्कूल द्वारा दिया गया था।कौन सही है कौन गलत है,इस तथ्य की जांच किए बिना ही स्कूल के खिलाफ की गई कार्यवाही अनुचित है और विरोध के योग्य है।

स्कूल में बच्चों को नैतिकता एवं बड़े लोगों का सम्मान करने की शिक्षा दी जाती है ताकि वे भविष्य में अच्छे नागरिक बनें। किन्तु वर्तमान में नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है। शिक्षकों को सम्मान देने में कमी आ गई है। आज प्रत्येक शिक्षक बच्चों को कुछ भी कहने में सतर्कता बरतता है। इस प्रकार की घटनाओं से शिक्षक वर्ग में डर का माहौल बनेगा जिसका सीधा असर बच्चों के सर्वांगीण विकास पर पड़ेगा। समस्त स्कूल सदस्यों की सहानुभूति उपरोक्त छात्रा के परिवार के साथ है। किंतु इस घटना के लिए स्कूल के प्रिंसिपल एवं शिक्षक को बिना किसी जांच के दोषी ठहराए जाने के प्रति रोष भी है। पूर्व में भी इस प्रकार की घटनाएं होती रही हैं जिसमें सम्पूर्ण दोषारोपण स्कूल को देते हुए इस प्रकार की निंदनीय कार्यवाही होती रही है जो कि अब स्कूलों को स्वीकार नहीं है। उपरोक्त मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और सरकार से अनुरोध है कि स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों की सुरक्षा हेतु संरक्षण पालिसी/नियमावली अतिशीघ्र बनाई जाए। प्राईवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष डॉ फरजाना शकील अली ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन्स ने साथ मिलकर उपरोक्त घटना के विरुद्ध रोष प्रकट करने के लिए एकजुट होकर मंगलवार दिनांक 8 अगस्त को सांकेतिक बंद रखने का निर्णय लिया है।

# अमृत भारत स्टेशन योजना की पीएम मोदी ने की शुरुआत

सुल्तानपुर। प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास किया। शिलान्यास कार्यक्रम के सजीव प्रसारण में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं,कार्यकर्ताओं समेत स्थानीय विधायकगण व अन्य जनप्रतिनिधियों सहित रेलवे अधिकारियों ने हिस्सा लिया।समारोह में डीएम जसजीत कौर,पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा व रेलवे के नोडल अधिकारी संजीत सिंह ने भी अपनी भागीदारी दर्ज की।कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।शिलान्यास समारोह के मुख्य अतिथि सुल्तानपुर भाजपा विधायक विनोद सिंह ने कहा पुनर्विकास के बाद रेलवे स्टेशन शहर का हार्ट आफ सिटी होगा।उन्होंने कहा हमारे लिए गर्व की बात है कि केंद्र सरकार ने स्टेशनों के पुनर्विकास की सूची में सुल्ता्ता. रेलवे स्टेशन को भी शामिल करने का काम किया है। उन्होंने इसके लिए स्थानीय सांसद मेनका संजय गांधी को भी धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन के पुनरुद्धार के लिए 36 9 करोड़ रुपए का बजट केंद्र सरकार ने स्वीकृत किया है।सांसद मेनका संजय गांधी के प्रतिनिधि रणजीत कुमार ने बताया कि रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं के लिए सांसद मेनका संजय गांधी निरंतर प्रयासरत रही है।जिसका नतीजा है कि इस स्टेशन को अमृत योजना के तहत स्वीकृत किया गया है। सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि स्टेशन के नवनिर्माण का कार्य 12 से 18 महीनों में पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि लंभुआ रेलवे स्टेशन का कायाकल्प 11 करोड़ 89 लाख की लागत से द्वितीय चरण में पूरा किया जायेगा।

भाजपा के प्रदेश मंत्री एवं जिले के प्रभारी शंकर गिरि ने कहा कि देश में चल रहे निरंतर विकास का कारण केंद्र सरकार की स्वच्छ छवि एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था है।उन्होंने विपक्षी दलों के द्वारा बनाए गए गठबंधन पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।शंकर गिरि ने कहा कि विपक्षी गठबंधन फिर से ढेर हो जाएगा। 2024 में तीसरी बार केंद्र में मोदी सरकार पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशन के समग्र विकास का कार्य होगा।यात्रियों के आगमन एवं प्रस्थान के लिये चौड़ी सड़कें बनेंगी,सुनियोजित पार्किंग ,बेहतर प्रकाश व्यवस्था, स्थानीय शिल्पकला एवं संस्कृति के समावेशन से सौन्दर्यीकरण एवं हरित पट्टी विकसित होगा।वर्चुअल उद्घाटन समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष डा.आरए वर्मा,एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक सीताराम वर्मा, राजबाबू उपाध्याय, पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी,प्रवीन कुमार अग्रवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह,गिरीश नारायण सिंह, ओम प्रकाश पाण्डे,डॉ सीताशरण त्रिपाठी,जगजीत सिंह छंगू,सुशील त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाश जायसवाल,विजय सिंह रघुवंशी, शशीकांत पाण्डे, कृपाशंकर मिश्रा, ब्लाक प्रमुख राजेंद्र वर्मा,पंकज दूबे,बाबी सिंह,अरूण द्विवेदी, सचिन चोपड़ा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

# शिक्षक के असामयिक निधन से शिक्षक समाज मे शोक

सुल्तानपुर– कुड़वार ब्लॉक के यूपीएस नरोत्तमपुर के प्रधानाध्यापक मुहम्मद आलम की लंबी बीमारी से लखनऊ के एक अस्पताल में निधन हो गया। जिनको रविवार को दो बजे उनके पैतृक गांव बंधुआ कलां के कब्रिस्तान में दफन किया गया। शिक्षक के फौत होने की खबर सोशल मीडिया वायरल होते ही।शिक्षक समुदाय में शोक की लहर । स्वर्गीय आलम के आवास पर सुबह से शोक संवेदना प्रकट करने के लिए लोगो का जमावड़ा लगा रहा। मुहम्मद आलम यूपीएस धारुपुर में कार्यरत मुहम्मद मुस्तफा के छोटे भाई है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष कुड़वार निजाम खान ,सुहेल सिद्दीकी मुहम्मद मुज्तबा,तौहीद अहमद,इसरार अहमद,राशिद खान ,मुहम्मद राशिद,दिनेश तिवारी,अजय कुमार ,संजय मिश्रा,विवेक रावत,मुजफ्फर कलीम,मुहम्मद खालिद ,अल्ताफ खान,मोती खान,रूप नारायण बौद्ध,आरिफ,मुहम्मद वसीम,इत्यादि सैकड़ो शिक्षक उनके अंतिम दर्शन कर उन्हें सुपूर्द ए खाक किया। निजाम खान ने कहा मुहम्मद आलम की असामयिक निधन शिक्षक समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।संघ शोकाकुल परिवार की हर स्तर से सहयोग करने का आश्वस्त किया। प्रधानाध्यापक आलम के निधन से विद्यालय एकल हो गया। बच्चों की शिक्षण कार्य प्रभावित न हो इसके लिए उच्च अधिकारियों से वार्ता कर शिक्षक की व्यवस्था कराया जाएगा।

# पुल से गिरकर प्रॉपर्टी डीलर की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। विभूतिखंड इलाके में शनिवार को शहीद पथ एक तेज रफ्तार कार ने अचानक ब्रेक लगा दी। कार के पीछे स्कूटी से चल रहे प्रॉपर्टी डीलर काजी मोहम्मद सिबगतउल्लाह जमाल (45) कार में भिड़ गया और उछलकर पुल से 20 फीट नीचे जा गिरा। पुलिस ने घायल को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

# अब आसान मासिक किस्तों पर खरीद सकेंगे घर-दुकान

लखनऊ (संवाददाता)। एलडीए बोर्ड की 178वीं बैठक में बेघर और बेरोजगारों के हित में कई फैसलों को मंजूरी दी गई। अब आप आसान किस्तों पर मकान (फ्लैट) एवं दुकान खरीद सकते हैं। वहीं, एलडीए की योजनाओं में अब दो घरों और दुकानों को जोड़कर आकार बढ़ाया जा सकेगा।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।